www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

2 क्या शशि थरूर और मनीष तिवारी ये बता रहे हैं कि कांग्रेस देश की बात नहीं करती?

ट्रम्प बोले-सुना है भारत रूस से तेल खरीदना बंद करेगा 06

वर्ष :17 | अंक :123 | प्रयागराज , रविवार 03 अगस्त 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

हरियाणा में कांवड़ियों से झगड़े के बाद सीआरपीएफ जवान की हत्या, तीन आरोपियों को किया गया गिरफ्तार

हरियाणा के सोनीपत में 28 जुलाई को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान की उसके घर के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई। कुछ दिन पहले ही हरिद्वार में कांवड़ यात्रा के दौरान अपने ही गाँव के कुछ लोगों के साथ हुए झगड़े में उसका हाथापाई हुई थी। जवान कृष्ण कुमार की हत्या के सिलसिले में तीन आरोपियों को आज गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि जवान कृष्ण लगभग 30 साल का था और छुट्टी पर था। सोमवार तड़के घर लौट रहे कृष्ण पर गोली चलाने के बाद दोनों संदिग्ध फरार हो गए। स्थानीय पुलिस अधिकारी इंस्पेक्टर लाल सिंह ने बताया, कुछ दिन पहले कांवड़ यात्रा के दौरान गाँव के कुछ युवकों का उससे झगड़ा हो गया था। उनकी पहचान कर ली गई है। कृष्ण की हत्या की साजिश कथित तौर पर हरिद्वार तीर्थयात्रा पर जाने से पहले ही रची गई थी। पुलिस ने इंडिया टुडे टीवी को बताया कि कृष्ण के अलावा, आरोपियों ने आनंद उर्फ पहिया नामक एक और व्यक्ति की हत्या की भी योजना बनाई थी।

साइबर अपराध में शामिल होने के आरोप में असम के दो लोग मणिपुर में गिरफ्तार

मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले में अंतरराज्यीय साइबर अपराध गिरोह में शामिल होने के आरोप में असम के दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि दोनों को शुक्रवार को जिले के खुमन लम्पक इलाके के पास से गिरफ्तार किया गया। ये लोग कथित तौर पर म्यूल बैंक खातों का उपयोग करके साइबर अपराध गिरोह संचालित कर रहे थे। म्यूल खाते ऐसे बैंक खाते होते हैं जिनका इस्तेमाल साइबर अपराधी गैरकानूनी गतिविधियों से प्राप्त धन को प्राप्त करने और हस्तांतरित करने के लिए करते हैं। उन्होंने बताया कि वे असम के बारपेटा और चिरांग जिलों के रहने वाले थे। अधिकारी ने कहा, गिरफ्तार किए गए लोग एक आपराधिक गिरोह के सदस्य हैं और उन्हें लोगों के आधार कार्ड तथा बैंक खाते के विवरण जैसे संवेदनशील विवरण एकत्र करने का काम सौंपा गया था।

पाकिस्तान के दर्द को बर्दाश्त नहीं कर पा रही कांग्रेस और समाजवादी पार्टी

प्रधानमंत्री ने काशी को दी 2200 करोड़ रुपए की 52 परियोजनाओं की सौगात

सौगात

▶▶मोदी ने कहा कि वोटबैंक और तुष्टिकरण की इस राजनीति में समाजवादी पार्टी भी कम नहीं है। उनके नेता सवाल कर रहे थे कि पहलगाम के आतंकवादी इसी दिन क्यों मारे गए? क्या मुझे कोई भी कार्रवाई करने से पहले उनसे फोन करके पूछना चाहिए?

एजेंसी

यह नया भारत है, दुश्मन के घर में घुसकर खात्मा करने का माद्दा रखता है..., पीएम मोदी के सामने बोले सीएम योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाराणसी दौरे के दौरान उनका अभिनंदन किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने लगभग 2,200 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस अवसर पर संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऐसे समय में काशी पहुंचे हैं जब दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत की ताकत और संकल्प को देखा है। यह नया भारत है, जिसके पास पहलगाम हमले के दोषियों को सजा दिलाने की क्षमता और साहस दोनों हैं। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में हुए सैन्य अभियान ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए आदित्यनाथ ने कहा, इस नए भारत में आतंक के दोषियों को धूल चटाने और दुश्मनों की सीमा में घुसकर उनका सफाया करने का साहस है। उन्होंने कहा, ह्लऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद आज प्रधानमंत्री मोदी का काशी आगमन हुआ है। उत्तर प्रदेश की जनता की ओर से, मैं प्रधानमंत्री का स्वागत और अभिनंदन करता हूं। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत की शक्ति व सामर्थ्य का अहसास किया है। उन्होंने कहा कि नया भारत पहलगाम के अपराधियों को मिट्टी में मिलाकर और दुश्मन के घर में घुसकर उसका खात्मा करने का माद्दा रखता है। मुख्यमंत्री ने कहा, ह्लप्रधानमंत्री मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय राजनेता हैं।

जो जितना पिछड़ा, उसे उतनी ही ज्यादा प्राथमिकता

मोदी के विकास मंत्र जो जितना पिछड़ा, उसे उतनी ही ज्यादा प्राथमिकता का उल्लेख करते हुए उन्होंने हाल ही में मंजूर की गई प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना का जिक्र किया। इस योजना पर 24 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे, और इसका फोकस उन पिछड़े जिलों पर होगा जहां कृषि उत्पादन और आमदनी कम है। सरकार बीज से बाजार तक किसानों के साथ है। सिंचाई योजनाओं में लाखों करोड़ रुपये लगाए जा रहे हैं। मौसम की चुनौतियों से निपटने के लिए पीएम फसल बीमा योजना के तहत अब तक पौने दो लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का क्लेम किसानों को दिया गया है।

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों पर भारत के जवाबी हमले, ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को भगवान महादेव को समर्पित किया। इसके साथ ही मोदी ने कहा कि सबको समझ आ रहा है कि पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। लेकिन कांग्रेस और समाजवादी पार्टी, पाकिस्तान के दर्द को बर्दाश्त नहीं कर पा रही हैं। पाकिस्तान रो रहा है, और यहाँ कांग्रेस और समाजवादी पार्टी, आतंकवादियों की हालत देखकर रो रहे हैं। कांग्रेस लगातार हमारी सेना के पराक्रम का अपमान कर रही है। कांग्रेस ने ऑपरेशन सिंदूर को 'तमाशा' बताया है। मोदी ने कहा कि वोटबैंक और तुष्टिकरण की इस राजनीति में समाजवादी पार्टी भी कम नहीं है। उनके नेता सवाल कर रहे थे कि पहलगाम के आतंकवादी इसी दिन क्यों मारे गए? क्या मुझे कोई भी कार्रवाई करने से पहले उनसे फोन करके पूछना चाहिए? कोई भी समझदार व्यक्ति बता सकता है कि क्या हमें आतंकवादियों को मारने के लिए इंतजार करना चाहिए? क्या हमें उन्हें भागने का मौका देना चाहिए था? ये वही लोग हैं जो सत्ता में रहते हुए आतंकवादियों को क्लीन चिट दे देते थे, और अब जब आतंकवादी मारे जा रहे हैं तो बौखला रहे हैं। उन्हें ऑपरेशन का नाम 'सिंदूर' रखने से भी दिक्कत है।प्रधानमंत्री ने कहा कि दुर्भाग्य से ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर हमारे देश के कुछ लोगों को भी पेट में दर्द हो रहा है। ये कांग्रेस पार्टी और उनके चेले-चपाटे, उनके दोस्त... इस बात को पचा नहीं पा रहे हैं कि भारत ने पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया है। मोदी ने कहा कि शिव का एक रूप कल्याण है, तो दूसरा रूप रुद्र रूप भी है। सामने जब आतंक और अन्याय होता है, तब हमारे महादेव... रुद्र रूप धारण करते हैं।

अगर 2024 के लोकसभा चुनाव में धांधली न हुई होती तो मोदी आज प्रधानमंत्री न होते

> सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने दावा किया पिछले लोकसभा चुनाव में करीब 100 सीट पर धांधली हुई है और अगर इनमें से 15 सीट पर भी धांधली नहीं हुई होती, तो नरेन्द्र मोदी आज देश के प्रधानमंत्री नहीं होते।

एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि वह राजा नहीं बनना चाहते और इसकी अवधारणा के ही खिलाफ हैं। उन्होंने यह बात संवैधानिक चुनौतियाँ: परिप्रेक्ष्य और रास्ते विषय पर एक दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कही। जैसे ही उन्होंने अपना संबोधन शुरू किया, विज्ञान भवन हॉल में मौजूद समर्थकों ने इस देश का राजा कैसा हो, राहुल गांधी जैसा हो के नारे लगाने शुरू कर दिये। इस पर, गांधी ने जवाब दिया, नहीं बॉस, मैं राजा नहीं हूं। राजा बनाना भी नहीं चाहता हूं। मैं राजा के खिलाफ हूं, अवधारणा के भी खिलाफ हूं। वहीं, सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने दावा किया पिछले लोकसभा चुनाव में करीब 100 सीट पर धांधली हुई है और अगर इनमें से 15 सीट पर भी धांधली नहीं हुई होती, तो नरेन्द्र मोदी आज देश के प्रधानमंत्री नहीं होते। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कांग्रेस के विधि, मानवाधिकार और आरटीआई विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय विधिक सम्मेलन में इस बात को फिर से दोहराया कि कर्नाटक के एक निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता सूची में हेरफेर के जो सबूत मिले हैं, वो एटम बम की तरह हैं। उन्होंने कहा कि अगले कुछ दिनों में इसका सबूत दिया जाएगा कि कैसे लोकसभा चुनाव में धांधली हुई। उनके नए दावे पर निर्वाचन आयोग की तरफ से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। उन्होंने इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, आज (नरेन्द्र मोदी) प्रधानमंत्री पद पर बहुत ही साधारण बहुमत के साथ हैं। हमारा मानना है कि (लोकसभा चुनाव में) 70,80 या 100 सीट तक पर धांधली हुई है। यदि 15 सीट पर भी धांधली नहीं हुई

'चुनाव आयोग अब है ही नहीं', राहुल गांधी का आरोप, 2024 के लोकसभा चुनाव में हुई धांधली

दिल्ली में वार्षिक कानूनी सम्मेलन 2025 में बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा कि हम आने वाले कुछ दिनों में आपको साबित कर देंगे कि कैसे लोकसभा चुनाव में धांधली हो सकती है और धांधली हुई थी। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार और देश में चुनावी प्रक्रिया पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि 2024 के आम चुनावों में धांधली हुई है। दिल्ली में वार्षिक कानूनी सम्मेलन 2025 में बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा कि हम आने वाले कुछ दिनों में आपको साबित कर देंगे कि कैसे लोकसभा चुनाव में धांधली हो सकती है और धांधली हुई थी। कांग्रेस नेता ने आगे दावा किया कि भारत की चुनाव प्रणाली ध्वस्त हो चुकी है। उन्होंने आगे कहा, ₹सच्चाई यह है कि भारत में चुनाव प्रणाली पहले ही खत्म हो चुकी है।

मालेगांव ब्लास्ट में मोदी का नाम ले लो तो तुम्हें नहीं पीटेंगे, छोड़ देंगे...

प्रज्ञा ठाकुर का हैरान करने वाला खुलासा

एजेंसी

> तत्कालीन यूपीए सरकार पर निशाना साधते हुए प्रज्ञा ठाकुर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस इस झूठे मामले के पीछे है, जो भगवा और सशस्त्र बलों को बदनाम करने की एक बड़ी साजिश का हिस्सा है। इसे धर्म की जीत बताते हुए प्रज्ञा ने कहा, कांग्रेस ने अपनी साजिश के तहत यह झूठा मामला दर्ज कराया। इसका कोई आधार नहीं था।

2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में विशेष एनआईए अदालत द्वारा प्रज्ञा ठाकुर को बरी किए जाने के कुछ दिनों बाद, पूर्व भाजपा सांसद ने एक चौंकाने वाला दावा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें ₹प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और अन्य के नाम लेने के लिए मजबूर किया गया और प्रताड़ित किया गया। उन्होंने कहा कि मैंने सब कुछ लिखित में दे दिया है और उन सभी के नाम भी बताए हैं जिनका नाम लेने के लिए मुझे मजबूर किया गया था। वे कहते रहे, 'इन लोगों के नाम बताओ तो हम तुम्हें नहीं मारेंगे।' उनका मुख्य उद्देश्य मुझे प्रताड़ित करना था। तत्कालीन यूपीए सरकार पर निशाना साधते हुए प्रज्ञा ठाकुर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस इस झूठे मामले के पीछे है, जो भगवा और सशस्त्र बलों को बदनाम करने की एक बड़ी साजिश का हिस्सा है। इसे धर्म की जीत बताते हुए प्रज्ञा ने कहा, कांग्रेस ने अपनी साजिश के तहत यह झूठा मामला दर्ज कराया। इसका कोई आधार नहीं था। कांग्रेस धर्म विरोधी है। यह आतंकवादियों को पालने वाली पार्टी है। कांग्रेस कभी राष्ट्रवादी पार्टी नहीं बन सकती।

प्रज्वल रेवन्ना को रेप केस में उम्र कैद,कोर्ट ने पीड़ित को 7 लाख देने को कहा

पूर्व प्रधानमंत्री के पोते को कल दोषी ठहराया था

एजेंसी

> प्रज्वल पर कई महिलाओं से यौन उत्पीड़न का आरोप पिछले साल प्रज्वल रेवन्ना का नाम कर्नाटक सेक्स स्कैंडल में सामने आने के बाद चर्चा में आया था। उस पर 50 से ज्यादा महिलाओं से यौन उत्पीड़न का आरोप है। उनके खिलाफ रेप, छेड़छाड़, ब्लैकमेलिंग और धमकी देने के आरोपों से जुड़े अब तक 4 केस दर्ज की गई हैं।

मैसूरु, बेंगलुरु की स्पेशल कोर्ट ने शनिवार को पूर्व खऊर सांसद और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना को नौकरानी से रेप केस में उम्र कैद की सजा सुनाई। कोर्ट ने रेवन्ना पर 10 लाख रुपए का जुमार्ना लगाया। साथ ही पीड़ित को 7 लाख रुपए का मुआवजा देने का भी आदेश दिया। कोर्ट ने शुक्रवार को रेवन्ना को दोषी ठहराया था। रेवन्ना ने कोर्ट में कम सजा देने की अपील करते हुए दावा किया था कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है। दरअसल, रेवन्ना के परिवार के फार्महाउस में काम करने वाली 47 साल की महिला ने पिछले साल अप्रैल में रेवन्ना के खिलाफ केस दर्ज कराई थी। इसमेंरेवन्ना पर 2021 से कई बार रेप करने और किसी को भी घटना के बारे में बताने पर वीडियो लीक करने की धमकी देने का आरोप लगाया था। कोर्ट ने 18 जुलाई को इस मामले की सुनवाई पूरी की थी। रेवन्ना के खिलाफ रेप, ताक-झांक, आपराधिक धमकी और अश्लील तस्वीरें लीक करने सहित कई धाराओं के तहत आरोप तय किए थे। उसके खिलाफ रेप के कुल 4 मामले दर्ज हैं। इनमें से यह पहला केस है, जिसमें उसे दोषी ठहराया गया है।पिछले साल, रेवन्ना के सोशल मीडिया पर 2,000 से ज्यादा अश्लील वीडियो क्लिप सामने आए थे। 2024 के लोकसभा चुनावों में रेवन्ना ने कर्नाटक की हासन संसदीय सीट पर दूसरी बार चुनाव लड़ा था, लेकिन वह अपनी सांसदी नहीं बचा सका। उसके खिलाफ दर्ज मामलों के बाद खऊर ने उसे पार्टी से निलंबित भी कर दिया था।प्रज्वल देश छोड़कर 35 दिन गायब रहे, एयरपोर्ट से गिरफ्तारी हुई कर्नाटक सेक्स स्कैंडल में नाम सामने आने से पहले प्रज्वल रेवन्ना 2024 लोकसभा चुनाव के प्रचार-प्रसार में व्यस्त था।

भारत में दस लाख आबादी में एक व्यक्ति करता है अंगदान : सरकारी आंकड़े

एजेंसी

नई दिल्ली: भारत में अंगदान की दर अभी भी प्रति दस लाख जनसंख्या पर एक से भी कम है. इसका खुलासा शनिवार को सरकारी आंकड़ों से हुआ. यद्यपि भारत में प्रत्यारोपणों की संख्या 2013 में 4990 से बढ़कर 2023 में 18378 हो गई है और जनवरी से दिसंबर 2024 तक 18911 प्रत्यारोपणों की सूचना दी गई है, इसके बाद भी अंगदान की दर प्रति मिलियन जनसंख्या पर 1 से भी कम है.यह विश्व में सबसे अधिक स्पेन में प्रति दस लाख जनसंख्या पर लगभग 48 के विपरीत है.

दुर्ग में गिरफ्तार दो ननों और एक अन्य को एनआईए कोर्ट से मिली जमानत

मानव तस्करी और धर्मांतरण केस में आया फैसला

> अभियोजन पक्ष द्वारा जमानत याचिका का विरोध करने और यह तर्क देने के बावजूद कि मामला जाँच के प्रारंभिक चरण में है, अदालत ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। दोनों कैथोलिक ननों को पिछले हफ़्ते छत्तीसगढ़ के दुर्ग रेलवे स्टेशन पर हिरासत में लिया गया था।

एजेंसी

छत्तीसगढ़ में मानव तस्करी और जबरन धर्म परिवर्तन के आरोप में गिरफ्तार केरल की ननों को शनिवार को एक विशेष एनआईए अदालत ने जमानत दे दी। अदालत ने दो ननों सहित तीन लोगों की जमानत याचिका स्वीकार कर ली। दोनों ननों, सिस्टर वंदना फ्रांसिस और प्रीति के अलावा, तीसरे आरोपी सुखमन मंडावी को भी जमानत दे दी गई है। तीनों को 50-50 हजार रुपये का मुचलका भरना होगा और अदालत में अपने पासपोर्ट भी जमा करने होंगे। एनआईए अदालत ने आदेश के बाद, सांसद जॉन ब्रिटास के नेतृत्व में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के कार्यकर्ताओं ने उस जेल के बाहर जश्न मनाया जहाँ आरोपी नन बंद हैं। अभियोजन पक्ष द्वारा जमानत याचिका का विरोध करने और यह तर्क देने के बावजूद कि मामला जाँच के प्रारंभिक चरण में है, अदालत ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। दोनों कैथोलिक ननों को पिछले हफ़्ते छत्तीसगढ़ के दुर्ग रेलवे स्टेशन पर हिरासत में लिया गया था।

सीएम रेखा गुप्ता ने कर दिया बड़ा ऐलान

दिल्ली में हर झुग्गी वालों को मिलेगा पक्का मकान

> दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के इस दृष्टिकोण के अनुरूप कि हर गरीब को अपना घर मिले, हम इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में काम कर रहे हैं। हमने निर्देश दिए हैं कि चाहे कोई भी एजेंसी हो, उन्हें झुग्गियों को नहीं तोड़ना चाहिए।

एजेंसी

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को सुल्तानपुरी में लंबे समय से खाली पड़े दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के लगभग 50,000 फ्लैटों का निरीक्षण किया और कहा कि भाजपा गरीबों को आवास, सुरक्षा और बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही, उन्होंने एक दशक से भी ज्यादा समय से झुग्गीवासियों को फ्लैट आवंटित न करने के लिए पिछली सरकारों की आलोचना की। अपने दौरे के दौरान, मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा कि 2011 में निर्मित लगभग 50,000 फ्लैट एक दशक से भी ज्यादा समय से अप्रयुक्त पड़े हैं।

निशाना पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती का भाजपा पर भाजपा पर निशाना

जम्मू-कश्मीर में केंद्र की नीति पूरी तरह विफल

एजेंसी

> जम्मू में पत्रकारों को संबोधित करते हुए, मुफ्ती ने कहा कि 5 अगस्त, 2019 को पूरे छह साल बीत चुके हैं। उस समय, जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा छीन लिया गया था और अनुच्छेद 370 को इस दावे के साथ रद्द कर दिया गया था कि जम्मू-कश्मीर में सब कुछ ठीक हो जाएगा। लेकिन हमने देखा है कि यह नीति पूरी तरह विफल रही है।

नयी दिल्ली। अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण की छठी वर्षगांठ से पहले, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने शनिवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर कड़ा हमला बोलते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा छीनने की नीति पूरी तरह विफल हो गई है। शनिवार को जम्मू में पत्रकारों को संबोधित करते हुए, मुफ्ती ने कहा कि 5 अगस्त, 2019 को पूरे छह साल बीत चुके हैं। उस समय, जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा छीन लिया गया था और अनुच्छेद 370 को इस दावे के साथ रद्द कर दिया गया था कि जम्मू-कश्मीर में सब कुछ ठीक हो जाएगा। लेकिन हमने देखा है कि यह नीति पूरी तरह विफल रही है। मुफ़्ती ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में आंतरिक स्थिति सुधरने के बजाय और बिगड़ गई है, और उन्होंने सुरक्षा बलों की लगातार हो रही कार्रवाई की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आंतरिक स्थिति खराब है। पिछले छह सालों से रोजाना गिरफ़्तारियाँ हो रही हैं। जम्मू-कश्मीर में हालात पहले से भी बदतर हो गए हैं, हालाँकि आज लोग चुप हैं। यही वजह है कि हमारा देश पाकिस्तान से टकराव की स्थिति में आ गया है। पाकिस्तान की हैसियत क्या है? उनकी अर्थव्यवस्था हमारी अर्थव्यवस्था का दसवाँ हिस्सा भी नहीं है, फिर भी आज पूरी दुनिया हमारी तुलना उनसे कर रही है। पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा की आक्रामक नीति और क्षेत्रीय कूटनीति पर इसके व्यापक प्रभाव की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से, भाजपा ने देश में ऐसा माहौल बना दिया है कि आज सभी समूह कह रहे हैं, आप युद्धविराम पर क्यों सहमत हुए? यह भाजपा की आक्रामक नीति है। अगस्त 2019 में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया, जिससे जम्मू और कश्मीर को दिया गया विशेष दर्जा प्रभावी रूप से समाप्त हो गया और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों - जम्मू और कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया गया। अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और तत्कालीन राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में पुनर्गठित करने के बाद से जम्मू और कश्मीर में क्षेत्रीय राजनीतिक दलों की ओर से राज्य का दर्जा बहाल करना एक प्रमुख मांग रही है।

शिवराज सिंह चौहान का बयान, किसानों की आय बढ़ाने के प्रयास निरंतर जारी

एजेंसी

> शिवराज सिंह चौहान ने आगे कहा कि मैं किसानों का सेवक हूँ और किसानों की सेवा करना ईश्वर की पूजा के समान है। आज हम किसानों के बीच गए और उनसे मिले... किसान जो चाहेगा, खरीदेगा; उसे खाद के साथ-साथ अन्य चीजें खरीदने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता

नयी दिल्ली। बिहार दौरे पर आए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर किसानों के कल्याण के लिए कई योजनाएं चला रही हैं और किसानों की आय बढ़ाने के लिए अथक प्रयास कर रही हैं। पटना में पत्रकारों से बातचीत में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत लगभग 21,000 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई और केंद्र व राज्य सरकारें मिलकर किसानों के कल्याण के लिए कई योजनाएं चला रही हैं। किसानों की आय बढ़ाने के प्रयास निरंतर जारी हैं। शिवराज सिंह चौहान ने आगे कहा कि मैं किसानों का सेवक हूँ और किसानों की सेवा करना ईश्वर की पूजा के समान है।

आज हम किसानों के बीच गए और उनसे मिले... किसान जो चाहेगा, खरीदेगा; उसे खाद के साथ-साथ अन्य चीजें खरीदने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता... किसानों के साथ इस तरह की जबरदस्ती बर्दाश्त नहीं की जाएगी और हम सख्त कार्रवाई करेंगे।

सम्पादकीय

ठेके पर सड़क सुरक्षा, जवाबदेही गुम० क्या विकास में आम लोगों के जीवन की कोई कीमत नहीं?

मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम और निजी कंपनी के बीच विवाद की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी को गंभीरता से लेने की जरूरत है कि सड़क का जिम्मा निजी ठेकेदार पर छोड़ने के बजाय सरकार को यह काम सीधे अपने नियंत्रण में रखना चाहिए। भारत में सड़क दुर्घटनाएं बताती हैं कि हालात अब भी बहुत चिंताजनक हैं। (प्रतीकात्मक चित्र) देश में बेहतरीन सड़कें बनाने के दावे के बावजूद आज भी कई सड़कें इतनी असुरक्षित क्यों हैं कि उन पर हादसों की आशंका बनी रहती है। कई राज्यों में ऐसी सड़कें हैं, जिनका वर्षों से रखरखाव नहीं हुआ और उन पर सफर करना एक जोखिम से गुजरना है। यह दुखद है कि राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा नीति के बावजूद भारत में सड़क हादसे कम नहीं हो रहे हैं। आज सड़कों पर पैदल चलने वालों तक के लिए जगह नहीं बची है। दोपहिया चालक अक्सर जोखिम में रहते हैं। सड़क निर्माण में भारतीय कौशल से इनकार नहीं किया जा सकता, बावजूद इसके हमारी सड़कें दुनिया में सबसे खतरनाक हैं, तो इसकी वजह क्या है? सड़कों पर अगर जीवन संकट में पड़ने लगे, तो इसका मतलब है कि जीवन जीने का अधिकार सचमुच खतरे में है। इसी चिंता को चिह्नित करते हुए शीर्ष न्यायालय ने कहा है कि वाहन चलाने योग्य सुरक्षित और अच्छे रखरखाव वाली सड़क संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत जीवन जीने के अधिकार का एक हिस्सा है। सड़कें सुरक्षा मानदंडों पर खरी नहीं उतरतीं दरअसल, अधिकतर राज्यों में लोक निर्माण विभाग खुद सड़कें नहीं बनाता। प्रायः निविदाएं जारी कर ठेकेदारों को जिम्मा सौंप दिया जाता है। नतीजा यह कि सड़कें सुरक्षा मानदंडों पर खरी नहीं उतरतीं। गति सीमा से तेज वाहन चलाने पर सड़क दुर्घटना, राजमार्गों पर सुरक्षा मानदंडों की हो रही अनदेखी मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम और निजी कंपनी के बीच विवाद की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी को गंभीरता से लेने की जरूरत है कि सड़क का जिम्मा निजी ठेकेदार पर छोड़ने के बजाय सरकार को यह काम सीधे अपने नियंत्रण में रखना चाहिए। सड़कें जीवन के अधिकार का हिस्सा हैं, तो इसका गुणवत्तापूर्ण निर्माण और इसकी समुचित देखरेख निस्संदेह सरकार का दायित्व है। आज जिस तरह सड़कों पर वाहनों का बोझ बढ़ा है, इसे देखते हुए सड़कों की देखभाल की जरूरत स्वाभाविक रूप से बढ़ गई है। मानवीय भूल अपनी जगह हैं, लेकिन कई स्थानों पर यातायात संकेतक न होने और सड़कों पर दरारें पड़ने और धंसाव ने भी समस्या बढ़ाई है। सड़कों के निर्माण में अधिकतर त्रुटियां खराब अभियांत्रिकी के कारण ही सामने आई हैं। जरूरत इस बात की है कि नागरिकों के जीवन जीने के अधिकार को बिना किसी बाधा के सुनिश्चित करने के लिए सरकार हर स्तर पर जिम्मेदारी तय करे।

आज का विचार

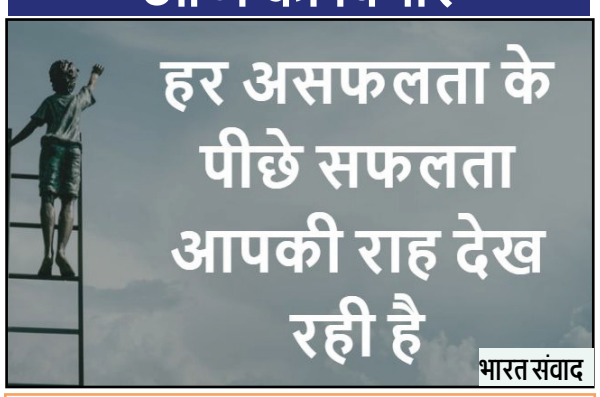

राशिफल

मेष राशिः मेष राशि के जातकों के लिए कल का दिन अपने व्यवसाय में कुछ परिवर्तन करेंगे, जो आपके लिए अच्छे रहेंगे और संतान को लेकर आप कोई महत्वपूर्ण फैसला लें सकते हैं. आप किसी काम को लेकर यदि कोई सोच विचार कर रहे थे, तो वह आप कर सकते हैं.

वृषभ राशिः वृषभ राशि के जातकों के लिए कल का दिन तनावग्रस्त रहने वाला हैं. आप अपनी कोई गुप्त जानकारी किसी दूसरे के सामने शेयर ना करें. आपको किसी काम को लेकर ट्रैवलिंग पर जाना पड़ सकता है. प्रेम जीवन जी रहे लोग अपने साथी की बातों को पूरा महत्व देंगे, जिससे परिवार के सदस्य नाराज हो सकते हैं.

मिथुन राशिः मिथुन राशि के जातकों के लिए कल का दिन उतार चढ़ाव भरा रहने वाला है, जिससे आपको खुशी होगी सहयोगीयो से आपको अपने कामों को लेकर बातचीत करनी होगी. आपको अच्छा मुनाफा मिलने से आपकी आर्थिक स्थिति को मजबूती मिलेगी और आप अपनी जरूरतो को आसानी से पूरा कर पाएंगे.

कर्क राशिः कर्क राशि के जातकों के लिए कल का दिन बाकी कल का दिनों की तुलना में अच्छा रहने वाला है. आपको किसी विशेष काम को लेकर यात्रा पर जाना पड़ सकता है. परिवार में लोग आपकी बातों का पूरा मान रखेंगे और आपको मान सम्मान में वृद्धि होने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा.

सिंह राशिः सिंह राशि के जातकों के लिए कल का दिन सावधानी व सतर्कता बरतने के लिए रहेगा. आप यदि किसी यात्रा पर जाएं, तो उसमें आपको वाहन सावधानी से चलना होगा. कार्य क्षेत्र में आपसे कोई गलती हो सकती है.

कन्या राशिः कन्या राशि के जातको के लिए कल का दिन अपनी वाणी व व्यवहार पर नियंत्रण रखने के लिए रहेगा. आप किसी की कही सुनी बातों में ना आए. कार्य क्षेत्र में आपके ऊपर काम का दबाव थोड़ा अधिक रहेगा.आप आपकी मेहनत से आप काफी कुछ पा सकते हैं.

तुला राशिः तुला राशि के जातकों के लिए कल का दिन आपके लिए तनावग्रस्त रहने वाला है. आपका कोई पुराना वाद विवाद फिर से खड़ा हो सकता है, जो आपको समस्या देगा. आपको जीवनसाथी से चल रहे वाद विवाद में दूर करने की कोशिश करनी होगी. आप अपने किसी काम को लेकर परेशान रहेंगे.

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि के जातको के लिए कल का दिन सामान्य रहने वाला है. आपके सामने अचानक से कुछ समस्याएं आएंगी, जो आपको परेशान करेंगी और आपको अपने माता-पिता की सेवा के लिए भी कुछ समय निकालना होगा.आप अपने स्वास्थ्य के प्रति कोई लापरवाही ना बरते.

धनु राशिः धनु राशि के जातकों के लिए कल का दिन सामान्य रहने वाला है. आपको अपने साथियों से किसी काम को लेकर मदद लेनी पड़ सकती हैं. आपका बिजनेस पहले से इंप्रूव होगा और टेंशन चल रही थी, तो वह भी दूर होती दिख रही है. परिवार में किसी सदस्य के विवाह को लेकर आपको कुछ उलझन रहेगी.

मकर राशिः मकर राशि के जातकों के लिए कल का दिन समस्याओं भरा रहने वाला है. परिवार में कोई लड़ाई झगड़े की स्थिति इतनी बढ़ सकती है कि किसी सदस्य को घर छोड़कर जाना पड़ सकता है. आपको किसी नए वाहन खरीदारी की योजना बना सकते हैं.

कुंभ राशिः कुंभ राशि के जातकों के लिए कल का दिन मिला-जुला रहेगा. आपके मन में परस्पर सहयोग की भावना रहेगी, लेकिन आपको किसी व्यक्ति की बात सुनकर तुरंत कोई एक्शन लेने से बचना होगा.

मीन राशिः मीन राशि के जातकों के लिए कल का दिन आपके लिए मंगलमय रहने वाला है.जीवन साथी के साथ चल रही अनबन को दूर करने के लिए आप परिवार के सदस्यों से बातचीत करनी पड़ सकती है.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

क्या शशि थरूर और मनीष तिवारी ये बता रहे हैं कि कांग्रेस देश की बात नहीं करती?

संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर हुई बहस में शशि थरूर और मनीष तिवारी शामिल नहीं थे. कांग्रेस के वक्ताओं की सूची में दोनों नेताओं को जगह नहीं मिली. खबर है कि शशि थरूर कांग्रेस की राजनीतिक लाइन के लिए ऑपरेशन सिंदूर पर अपना स्टैंड बदलने को तैयार नहीं हुए -और, मनीष तिवारी का मामला भी ऐसा ही लगता है.

पा लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर जमकर बहस हुई बहस में विपक्ष और सत्ता पक्ष ने शिद्दत से हिस्सा लिया. खूब सयाल जयाब भी हुए, लेकिन में सांसद सद ऐसे ऐसे भी रहे जो विदेश दौरे पर भेजे गये हेलिगेशन का हिस्सा तो श्री लेखि ससद में हुई वह पचाण सुमरी रहे. येसरी जरूर और मनीष तिवारी, दोनों ही कांग्रेस में निष्ट सांसद है. संसद में ऑपरेशन टूटर से पहले दोर्डस केला की निट में नाम न होने पर सवाल उठने लगे, और नीष दोनों ही नेताओं ने उठते सवालों पर अपने कपने तरीके से कि भी किया शीवरती टीमों के स्नान्मने मुंह लाल विश्वकर भरनी बात कही. स्थित नमी एकर दोनों नेताओं को संसद में बोलने का मौका देने के को जो सामने आ रही है भी काफी अनी है. ऐसा नह शशि थरूर की मोजने से रोका यह रही थी, लेकिन उनको पाटीर्लाइन कौर करने की गनाही जरूर थी, जिसके लिए में लेपार नईद्व ज्या शशि थरूर और सनीष तिवारी ने देश के नाम पर अपनी ही पार्टी कांग्रेस की जहमरे में बढ़ा कर दिया हैर वह के वीच सति वरूर का भौगबीपरेशन सिंदूर के बाद से वे दूसरा मौका था जब वंग्रेस की सूची से शशि थरूर का नाम नदार था. विदेश दौरे पर भेजे जाने वाले नासदी की कांग्रेस की सूची में भी रति धरुन का नाम शामिल नहीं था. कांग्रेस ने तो निवेशन का तुला करने सास की सरकारें सूची में काम देखकर आपत्ति जताई जी, कोस का कहना था कि जो सूची दी गई थी, सरकार ने उनकों लिया है नहीं. हालांकि बाद में बालनीत से मागना गुन्ना भी लिया था. ऑपरेशन सिंदूर के बाद विदेश का दौरा करने वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में से एक सूप की दाई शशि थरूर कर रहे थे और उन्होंने विदेश में पुरजोर तरीके ऑपरेशन का समर्थन किया था संसद में चर्चा के दौरान कंग्रेस के जब्ती कसे सूनी में नाम नहीं होने को लेकर पूछे जाने पर शशि थरूर की कैमरे पर प्रतिक्रिया थी, जौन शा... मौन व्रत और हंसते हुए को सदन के अंदर बाते गए, कि कांग्रेस के कुछ नेताओं को जाने तक नहीं दिया गया प्रकारानी के आथन के बीच प्रसंग आने पर शारी परुन कुराते नजर आए. अब अंदर से खबर में आई है कि रडूल गोभी के ऑफिस और कांग्रेस पार्टी की तरफ शशि शरूर से ऑपरेशन सिटूट के मुद्दे पर ओक्लाथा में बोलने के लिए पूछा गया था, लेकिन शशि थरूर ने खुद ही बोलने से इनकार कर दिया था. कई नहीं है सकते. ही अपनी बात पर ही कायम रह जिससे दूर को सफल है. पला कांग्रेसको केही मंजूर हो. कांग्रेस के वक्ताओं की सूची में शशि थरूर को जगह नहीं मिली पर आई मनीष तिवारी के मन की बातरात्रि धरून की ती रियारी भी 23 के साथ रहे है, और अप्सर वो अपना अगग नरेंद्र थी जैसे हैं. ऑपरेशन सिंदूर के मुद्दे पर कांग्रेस के वकताओं की सूषी में जगह न मिलने पर मनीष तिवारी ने सोशल मीडिया पर मनोज कुमार की फिल्म पूरब और पश्चिम के एक गंरा की इस लाइनें हंगर की है रा जहा की रं सवा... मैं गीत यहां के गाताभारत करने वाला भारत की बात सुनाता है। वंग्रेस महाराचिन प्रिर्मका गांधी बार जब संसद के अंदर नारी श्री नीलिमारी गेट के मास पाई थे. ोन आनने सामने है जिसे भी, और कुछ मन भी हुई. इस छोटी सी मृताव्सन का एक वीडियो वायरल हुआ है. मनीष तिवारी ने अपनी बात रखा दी है. उनका नावरिया समझने की कोशिश करे, तो वो खुद को देश के साथ चाड़ा बताते है. मतलब, कालोस की पॉलिटिकल लाइन उसके हैरानी देश के खिलाफ है और शशि दरूर ने भी ऐसा ही सकेन दिया है। गनीष तिवार की. पोस्ट के बारे में पूछे जाने पर ना ही वो कहते है अली की एक है. करमान गहरी खानी को नहीं क्या मनीष सिंयत्री और शति बसर ने कांग्रेस को ही कठघरे में खड़ा कर दिया है क्या कांग्रेस मनीष दिदारी और शशि थरूर की नज्य में देश की बात नहीं बनती?

संपूर्ण मानवता के लिए खतरा युद्ध, हिंसा के परिणाम भयावह

संजीव ठाकुर

आज विश्व के अनेक देश और पृथ्वी परमाणु युद्ध के कगार पर बैठी हुई है । युद्धों के परिणाम से विश्व में आर्थिक विषमताएं,गरीबी,भुखमरी बढ़ती जा रही हैं। ताजा हालातों में इजरायली आक्रमण से गाजा पट्टी पर वहां के बच्चों तथा स्त्रियों के मध्य भुखमरी बढ़ती जा रही है। भोजन के लिए अनाज तथा आटा नहीं है। जख्मी नागरिकों के लिए इलाज हेतु आवश्यक मेडिकल एड और दवाइयां भी उपलब्ध नहीं है। फिलिस्तीन में मानवीय जीवन के लिए अराजक स्थिति उत्पन्न हो गई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई देश आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे हैं ।इतिहास गवाह है कि युद्ध से कभी किसी का भला नहीं हुआ है यह आने वाली आर्थिक परेशानियों का बड़ा सबब बन चुका है। रूस-यूक्रेन युद्ध लगातार तीसरे वर्ष में प्रवेश कर चुका है हजारों सैनिकों की आहुति चढ़ चुकी है ।ताजा ताजा यूक्रेन ने 100 ड्रोन से रूस पर सबसे बड़ा हमला कर दिया और रूस के पास अब गोला बारूद की कमी होने लगी है। दूसरी तरफ इजराइल-हमास युद्ध में ईरान ने अमेरिका तथा इसराइल के विरुद्ध युद्ध छेड़ कर पूरे विश्व के साथ अपने लिए भी बड़ी परेशानी पैदा कर दी थी पर इजराइल में युद्ध रुक जाने से उक्त स्थिति फिलहाल तो टल गई है। ताजा खबरों के अनुसार लेबनान ने इसराइल पर बडा हमला करके अमेरिका के युद्ध विराम के प्रयासों पर प्रश्न चिन्ह लगा दिया है। युद्ध विराम के तमाम प्रयासों के बावजूद रूस यूक्रेन तथा इसराइल हमास युद्ध रोकने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। परमाणु संपन्न देशों के तमाम शासक अपनी राजनैतिक आकांक्षाएं, सनक को पूरा करने के लिए एक दूसरे के रक्त के प्यासे बने हुए हैंङ्घ परमाणु संपन्न देशों में चीन ,रूस और नॉर्थ कोरिया ऐसे देश हैं जिनकी बागडोर सनकी तानाशाह प्रशासकों के हाथों में है, इसके अलावा डोनाल्ड ट्रंप जब से दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बने हैं तब से उनके सनकी फैसलों के कारण पूरी दुनिया में उथल-पुथल मची हुई है गौरतलब है कि डोनाल्ड ट्रंप एक व्यापारिक पृष्ठभूमि से आए हुए व्यावसायिक बुद्धि के शासक हैं, और वे सदैव अन्य देशों को अपने महंगे महंगे अस्त्र-शस्त्र बेचने के जगत में रहा करते हैं ऐसी स्थिति में अमेरिका कभी नहीं जाएगा कि युद्ध विराम हो क्योंकि अमेरिका तथा अस्त्र-शस्त्र निमार्ता देश युद्ध में सदैव अपना आर्थिक लाभ का दृष्टिकोण रखते हैं ।यही देश अपनी विस्तार वादी महत्वाकांक्षा और सनक के चलते परमाणु हथियार का इस्तेमाल करने से नहीं चूकेंगे इतिहास गवाह है की सनकी प्रशासकों से हमेशा मानवता और विश्व की शांति को युद्ध और हिंसा का खतरा रहता आया है। अमेरिका ने द्वितीय विश्व युद्ध में नागासाकी तथा हिरोशिमा में परमाणु बम से हमला कर लाखों लोगों को मौत के मुंह में भेज दिया था इसके अलावा परमाणु हथियारों के उपयोग से पैदा हुए विकरण से आज भी जापान में बच्चों पर अप्राकृतिक प्रभाव दिखाई देतें हैङ्घ इधर हम यदि उत्तर कोरिया के सनकी शासक किम योंग की बात करें तो वर्ष 2022 की शुरूआत के बाद से उत्तर कोरिया ने 100 से अधिक हथियारों के परीक्षण किए हैं। विशेष तौर पर कुछ अमेरिकी और उनके खास सामरिक सहयोगी दक्षिण कोरिया और जापान पर हमला करने के लिए डिजाइन की हुई परमाणु मिसाइल भी शामिल हैं। उत्तर कोरिया अमेरिका को लक्ष्य बनाकर क्रूज मिसाइल का प्रक्षेपण भी करता आ रहा है। रूस और यूक्रेन युद्ध के दौरान भारी तबाही का मंजर तो सामने आ ही गया है इसके अलावा यूक्रेन की अमेरिकी तथा नाटो देशों की मदद से नाराज होकर रूस ने स्पष्ट तौर पर परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की सार्वजनिक धमकी कई बार दी है ।उल्लेखनीय है कि रूस-यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन को जितना जान माल का नुकसान हुआ है उसके बराबर भी रूस में सामरिक हथियारों और सैनिकों की जाने गई हैं ।रूस को इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि यूक्रेन इतने दिन तक रूस के साथ युद्ध को खींच सकता है। इन परिस्थितियों के परिणाम स्वरूप और वहां के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन कभी भी अपनी सनक के चलते परमाणु बमों से हमला भी कर सकता है। चीन और ताइवान विवाद में भी चीन के तानाशाह सी जिनपिंग अपनी विस्तारवादी महत्वाकांक्षा को पूरा करने के लिए और अमेरिका के परोक्ष रूप से ताइवान की मदद के कारण नाराजगी के चलते ताइवान पर कभी भी हमला कर सकता है। स्पष्ट है कि रूस चीन और उत्तर कोरिया तीनों परमाणु संपन्न देश अमेरिका के सबसे बड़े और कट्टर दुश्मन नई परिस्थितियों में बन चुके हैं। यह भी खुला और सर्व विदित तथ्य है अमेरिका का राष्ट्रपति वहां की जनता तथा राजनीतिक पार्टियों के दबाव में विश्व का सुप्रीमो बने रहने के चलते युद्ध मेनिया पर सवार रहता है, विश्व में अमेरिका को सर्वशक्तिमान बनाए रखने के चलते अमेरिका को चीन रूस और उत्तर कोरिया फूटी आंखों नहीं भातें हैं। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के अनुसार अमेरिका तथा दक्षिण कोरिया की सेना अपने वार्षिक सैन्य अभ्यास की ओर अग्रसर होकर लगातार समुद्र तथा उत्तर कोरिया की सीमा पर चक्कर लगा रही है। उत्तर कोरिया इसे अमेरिका तथा दक्षिण कोरिया के हमले के पूर्वाभ्यास की तरह आंकलन कर रहा है । उधर अमेरिका जापान और दक्षिण कोरिया अपने त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन में उत्तर कोरिया के बढ़ते परमाणु एवं मिसाइलों का मुकाबला करने हेतु संयुक्त रुप से बैलेस्टिक मिसाइल निर्माण तथा प्रयोग के सहयोग के लिए सहमति दे चुके हैं। इन तीनों देशों की संयुक्त तैयारी को देखते हुए उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग ने रणनीतिक क्रूज मिसाइल के प्रायोगिक परीक्षण का निरीक्षण भी किया है।अमेरिका तथा पश्चिमी देश हर उस देश का साथ देने को तैयार है जो मूल रूप से चीन, उत्तर कोरिया और रूस का विरोध करते हैं। इधर भारत की स्वतंत्रता के बाद से ही चीन से परंपरागत दुश्मनी चली आ रही है दूसरी तरफ भारत रूस का अभिन्न मित्र भी है भारत परंपरागत रूप से रूस का समर्थन करते आया है ये अलग बात है कि अमेरिका से उसके संबंध पिछले 10 सालों से काफी मधुर हो गए हैं और वह सदैव शांति का पक्षधर रहा है। भारत ने बुद्धिमत्ता पूर्वक पाकिस्तान में ऑपरेशन सिंदूर चला कर 3 दिन में आतंकवादियों के अड्डों को तबाह किया और पाकिस्तान के अनुनय विनय पर युद्ध को विराम दे दिया। इस ऑपरेशन सिंदूर में भारत को कोई नुकसान नहीं हुआ यह भारत का बुद्धिमत्ता पूर्वक कम था। नवीन परिस्थितियों में रूस यूक्रेन युद्ध चीन ताइवान विवाद और उत्तर कोरिया की दक्षिण कोरिया के ऊपर अनावश्यक दादागिरी और अमेरिकी तथा नैटो देशों का खुलकर चीन रूस तथा उत्तर कोरिया के लिए विरोध पूरे विश्व में परमाणु हेतु की पूरी-पूरी पृष्ठभूमि तथा प्रस्तावना तैयार कर चुके हैं और यह भी संभावना होगी कि पाकिस्तान तथा खाड़ी के देश भी ऐसी परिस्थितियों में किसी भी संभावित विश्वयुद्ध में शामिल हो सकते हैं।

मालेगांव विस्फोट एवं भगवा पर कलंक की साजिश

ललित गर्ग

29 सितंबर 2008 को मालेगांव में हुए बम विस्फोट की न्यायिक परिणति ने एक बार फिर यह सिद्ध किया है कि कैसे सत्ता, वोटबैंक और वैचारिक पूर्वाग्रहों ने भारतीय न्याय और निष्पक्षता की नींव को झकझोर दिया। मुंबई की एनआईए कोर्ट द्वारा सातों आरोपियों- प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित सहित को सबूतों के अभाव में बरी कर देना न केवल कानूनी दृष्टि से एक महत्वपूर्ण फैसला है, बल्कि यह उस ह्लभगवा आतंकवादह्व की मिथ्या कथा पर भी करारा प्रहार है जिसे वर्षों तक कांग्रेस ने राजनीतिक मंचों और मीडिया के जरिए प्रचारित किया गया। यह कांग्रेस की फर्जी कहानी का अंत एवं सत्य की जीत का एक अमूल्य आलेख है। अदालत का यह वक्तव्य कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, कोई भी धर्म हिंसा का समर्थन नहीं कर सकता, भारतीय संस्कृति और न्यायशास्त्र की मूल आत्मा को पुनः जीवित करता है। यह वही भारत है जहां सर्वे भवन्तु सुखिनः और अहिंसा परमो धर्मः की गूंज होती रही है, लेकिन दुर्भाग्यवश 2008 के बाद हिंदू धर्म, हिंदुत्व और भगवा पर ऐसा कलंक मढ़ा गया मानो वे आतंकवाद के स्रोत हों। मालेगांव विस्फोट मामले में एनआइए की विशेष अदालत उस नतीजे पर पहुंची, जिस पर बांबे हाई कोर्ट ट्रेन विस्फोट कांड की सुनवाई करते हुए पहुंचा था। ऐसा कई आतंकी घटनाओं के मामलों में हो चुका है। इससे यही पता चलता है कि कभी जांच एजेंसियां, कभी अदालतें और कभी दोनों अपना काम सही तरह और समय पर नहीं करतीं। जांच और फिर अदालती कार्यवाही में देरी तथा ढिलाई एक बड़ा रोग है। आतंक के मामलों की जांच में यह भी कोई दबी-छिपी बात नहीं कि संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ, मुस्लिम तुष्टिकरण एवं वोट बैंक बाधा बनते हैं। आतंकी घटनाओं को राजनीतिक रंग दिया जाता है। मालेगांव विस्फोट कांड में प्रज्ञा ठाकुर, सुधाकर द्विवेदी आदि की गिरफ्तारी के आधार पर हिंदू और भगवा आतंक का जुमला उछाला गया। इसका मकसद कथित भगवा आतंक को जिहादी आतंक जैसा बताना था। यह हिंदू ही नहीं, देश विरोधी साजिश थी। इसका लाभ पाकिस्तान को मिला, क्योंकि कांग्रेस के कई नेताओं ने समझौता एक्सप्रेस कांड पर भी एजेंसियों के सहारे भगवा आतंक की फर्जी कहानी गढ़ी। भगवा आतंकवाद शब्द का पहली बार प्रयोग उस समय के कुछ कांग्रेसी नेताओं ने किया, जिनका उद्देश्य स्पष्ट था, वोटबैंक की तुष्टिकरण नीति, मुस्लिम समाज को डराकर एकतरफा ध्रुवीकरण और हिंदू संगठन व सनातन मूल्यों को कलंकित करना। इसका परिणाम हुआ कि वर्षों तक निर्दोष लोग जेल में सड़ते रहे। साध्वी प्रज्ञासिंह ठाकुर को एक संन्यासी जीवन से घसीट कर हिरासत में लिया गया, प्रताड़ित किया गया और उनके आध्यात्मिक जीवन को ध्वस्त कर दिया गया। सवाल यह है कि जब सबूत नहीं थे, तब उन्हें जेल में रखने की जरूरत क्यों पड़ी? क्यों जांच एजेंसियों ने बेसिर-पैर की कहानियों को सच मान लिया? क्यों मीडिया ने बिना परीक्षण के हिंदू आतंकवाद की ब्रेकिंग न्यूज चला दी? यह वही मानसिकता थी जो आतंकवाद को धर्म से जोड़कर एक खास समुदाय को डराने और एक संप्रदाय को बदनाम करने में लगी थी। यह कांग्रेस का एक षडयंत्र एवं साजिश थी जो अब पदार्पाश हो गयी है। कांग्रेस शासित प्रांत में सत्ता का जमकर दुरुपयोग किया गया।मुंबई से लगभग 200 किलोमीटर दूर मालेगांव शहर में एक मस्जिद के पास एक मोटरसाइकिल पर बंधे विस्फोटक उपकरण में विस्फोट होने से छह लोगों की मौत हो गई थी।

पुलिस ने फरार वारंटी को दबोचा

एससी/एसटी एक्ट के मामले में फरार आरोपी का कोर्ट से था जारी वारंट

भारत संवाद

प्रयागराज, थाना घूरपुर पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे वारंटी हरिश्चन्द्र सोनकर को गिरफ्तार कर लिया। वह एससी/एसटी एक्ट के तहत दर्ज प्रकरण में वांछित था। न्यायालय की ओर से गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। पुलिस ने उसे थाना घूरपुर क्षेत्र में स्थित उसके निवास से गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई को उपनिरीक्षक अमित यादव और उपनिरीक्षक अमित कुमार पाल की टीम ने अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार, हरिश्चन्द्र सोनकर को पकड़ने के लिए पहले भी कई बार दबिश दी गई थी। हर बार वह पुलिस को चकमा देकर भाग जाता था। इस बार मुखबिर से मिली सूचना पर सुनियोजित कार्रवाई करके उसे गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त को गिरफ्तारी के बाद न्यायालय में पेश किया गया। वहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस अभियुक्त के अन्य आपराधिक इतिहास की भी जांच कर रही है। अन्य मामलों में संलिप्तता पाई जाने पर

अलग से कार्रवाई की जाएगी। कमिश्नरेट प्रयागराज के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने घूरपुर थाना पुलिस टीम को बधाई दी है। उन्होंने अन्य लंबित वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए भी सक्रियता बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

नगर आयुक्त द्वारा बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों का किया गया निरीक्षण

अल्लापुर क्षेत्र में जल भराव का लिया जायजा।

बाढ़ राहत शिवरों में पहुँकर लोगों का लिया हाल-चाल।

इसी क्रम में नगर आयुक्त द्वारा बाढ राहत शिविर एनी बेसेन्ट गर्ल्स इण्टर मीडिएट कालेज प्रयागराज का निरीक्षण किया गया इस दौरान इस शिविर में लगभग जल भराव के कारण विस्थापित हुए लगभग 600 से अधिक लोगों ने शरण ली हुई थी, मौके पर पेयजल टैंकर, शौचालय, नहाने की व्यवस्था करायी गयी है नगर आयुक्त द्वारा शरणार्थियों से इस सम्बन्ध में जानकारी ली गयी तो बताया गया कि सुबह नास्ते में चाय और केले के साथ भोजन की भी व्यावस्था की गयी है एवं किसी भी प्रकार की समस्या नही है। नगर आयुक्त द्वारा नियमित पेयजल तथा शौचालय आदि की सफाई के साथ अपर नगर आयुक्त के निर्देशित किया गया कि सभी बाढ राहत शिविरों का निरन्तर निगरानी करते रहें साथ ही सम्बन्धित ड्यूटी में लगाये गये कर्मचारियों से समन्वय स्थापित करते हुए आवश्यक सामग्रियों की आपूर्ति कराना सुनिश्चित करें, साथ ही साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए।

भारत संवाद

प्रयागराज। प्रयागराज निरन्तर गंगा यमुना नदी का जल स्तर बढ़ने के साथ ही गंगा यमुना के निकटवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले आम जनमानस भी प्रभावित होते है साथ ही कई दिक्कतों का समाना भी करना पड़ता है। उसी क्रम में नगर आयुक्त नगर निगम प्रयागराज द्वारा वाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में समुचित साफ-सफाई हेतु निरन्तर आदेशित किया जाता रहा है। आज दिनांक 02 अगस्त 2025 को प्रातः प्रयागराज के बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र-नागवासुकी, छोटा बधाडा क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। निरन्तर जल वृद्धि के कारण किनारों पर जलकुम्भी तथा कचरा आदि का जमाव, आबादी वाले क्षेत्र में एक मजिंल तक पानी भरा है द्वितीय तल पर शिफ्ट हुए लोगों का रेस्क्यू आदि की समस्या निरन्तर बनी रहती है। नगर आयुक्त द्वारा नगावासुकी रोड/ढाल के पास बह कर आयी जलकुम्भी तथा कचरों की सफाई कराये जाने के हेतु निर्देशित किया गया साथ ही एनडीआरएफ टीम को बाढ प्रभावित क्षेत्रों में फसे लोगो को रेस्क्यू किये जाने के निर्देश दिये गये व तीनों शिफ्टों में कर्मचारी लगाकर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराये जाने के साथ निरन्तर चूना, ब्लीचिंग पाउडर तथा मैलाथियान/कीटनाशक दवाओं के छिड़काव के निर्देश अपर नगर आयुक्त डी तथा सहायक नगर आयुक्त को दिये गये गये।

बाढ पंपिग स्टोशनों का निरीक्षण कर, लिया जानकारी

लेवलिंग सही न होने के कारण नालों से क्यों नही निकल रहा पानी इसी क्रम में नगर आयुक्त द्वारा बाढ़ पम्पिग स्टेशन मोरीघाट की भी जानकारी ली गयी। घाट पर सभी पम्प ठीक से कार्य करते हुए पाये गये। नगर आयुक्त द्वारा अल्लापुर में हो रहे निरन्तर जल जामव की भी जानकारी ली गयी तथा अल्लापुर के कई नालों तिकोनिया पार्क नाला, अल्लापुर नाला, डाट के पुल का नाला, रेलवे लाइन के पास स्थित नाले का निरीक्षण किया गया। प्रथम दृष्टिया नालों की लेवलिंग सम्बन्धी समस्या प्रतीत हुई जिसके लिये वर्तमान में जल भराव वाले क्षेत्र से ढाल की तरफ सम्पूर्ण नालों की लेवलिंग कराने के निर्देश अपर नगर आयुक्त श्री राजीव शुक्ला तथा अवर अभियन्ता को दिये गये साथ ही लेवलिंग के उपरान्त आवश्यकतानुसार नालों के निर्माण अथवा 120 एम0एम0 ह्यूम पाइप डालने हेतु निर्देशित किया गया। अवर अभियन्ता द्वारा बताया गया कि 35 मीटर अण्डरग्राउण्ड ह्यूम पाइप डालकर आबादी वाले क्षेत्र में जमे जल को डाइवर्ट कर अल्लापुर के नाले में मिलाने से पानी की समस्या का निस्तारण किया जा सकता है

फास्ट ट्रैक

थाना लालगंज पुलिस द्वारा नाबालिक को बहला-फुसला के भगाने व दुष्कर्म के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

थाना लालगंज, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 04.07.2025 को एक व्यक्ति द्वारा नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध वादी की नाबालिक पुत्री को बहला-फुसला के भगाने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई। उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना लालगंज पर मु0अ0सं0-261/2025 धारा 137(2),87 बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई।सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी लालगंज के नेतृत्व में थानाध्यक्ष लालगंज को अभियुक्तों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए। उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना स्थानीय पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में सुरागरसी पतारसी एवं अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में आज दिनांकः 02.08.2025 को उप-निरीक्षक विजय कुमार राय मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना लालगंज क्षेत्र से मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त सोनू पुत्र ज्ञानचन्द्र निवासी सुभाव राजा थाना लालगंज जनपद मीरजापुर को अंतर्गत धारा 137(2),87,65(1) बीएनएस व 5/6 पाक्सो एक्ट में गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया।

थाना को0देहात पुलिस द्वारा महिला के साथ दुष्कर्म करने के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

थाना को0देहात, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 02.08.2025 को एक महिला द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादिनी/पीड़िता के साथ दुष्कर्म करने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई। उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना को0देहात पर मु0अ0सं0-330/2025 धारा 64 बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई।सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक थाना को0देहात को अभियुक्त की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए। उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना स्थानीय पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में सुरागरसी पतारसी एवं अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में आज दिनांकः 02.08.2025 को प्रभारी निरीक्षक सदानन्द सिंह मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना को0देहात क्षेत्र से मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित अभियुक्त सुरेन्द्र सोनकर पुत्र राजाराम सोनकर निवासी जमुनहिया थाना को0देहात जनपद मीरजापुर को अंतर्गत धारा64 बीएनएस में गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया।

थाना को0शहर पुलिस द्वारा बहला-फुसला के भगाने के अभियोग से सम्बन्धित 02 अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

थाना को0शहर, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 23.07.2025 को एक व्यक्ति द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादी की नाबालिक बहन को भगाने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई। उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना को0शहर पर मु0अ0सं0-143/2025 धारा 137(2) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई।सोमेन बर्माह्व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक थाना को0शहर को अभियुक्त की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए। उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना स्थानीय पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में सुरागरसी पतारसी एवं अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में आज दिनांकः 02.08.2025 को उप निरीक्षक अविनाश प्रकाश राय चौकी प्रभारी फतहां थाना को0शहर मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना को0शहर क्षेत्र से मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित 02 नफर अभियुक्तगण सुरज कुमार पुत्र धमार्पाल निवासी बिहारी थाना को0देहात जनपद मीरजापुर

राजकीय बाल गृह किशोर में 10 दिवसीय पाक कला प्रशिक्षण का हुआ समापन

सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा समस्त बालको से उनके पाक कला प्रशिक्षण के संबंध में जानकारी प्राप्त करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी

भारत संवाद

आज दिनांक 02.08.2025 को माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयागराज श्री संजीव कुमार के निदेर्शानुसारद राजकीय बाल संप्रेक्षण गृह (किशोर) में 10 दिवसीय पाक कला प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन बालकों द्वारा विभिन्न प्रकार के व्यंजनों को बनाकर किया गया। यह दस दिवसीय पाक कला प्रशिक्षण यूनाइटेड यूनिवर्सिटी झलवा प्रयागराज के आतिथ्य संकाय द्वारा किया गया। 10 दिन की पाक कला प्रशिक्षण कार्यक्रम में समस्त प्रशिक्षित बालकों को वाइस चेयरमैन, यूनाइटेड ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट श्री सतपाल गुलाटी, श्री दिनेश कुमार गौतम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयागराज ,श्रीमती शिखा चौधरी प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड प्रयागराज व डॉक्टर चेतन व्यास ,डीन , योजना एवं विकास, आतिथ्य संकाय, यूनाइटेड यूनिवर्सिटी झलवा, प्रयागराज द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।श्री दिनेश कुमार गौतम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयागराज द्वारा समस्त बालको से उनके पाक कला प्रशिक्षण के संबंध में जानकारी प्राप्त करते हुए उन्हें उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। श्री सतपाल गुलाटी, वाइस चेयरमैन यूनाइटेड ग्रुप ऑफ यूनिवर्सिटी द्वारा समस्त बच्चों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए संस्था में आवासित समस्त बालकों को निशुल्क चिकित्सी परामर्श हेतु चिकित्सा शिविर लगाए जाने एवं यूनाइटेड मेडिसिटी में निशुल्क चिकित्सा परामर्श के लिए आश्वासन दिया , साथ ही उनके द्वारा बालकों की शिक्षा व अन्य कार्यक्रमों में आगे बढ़ाने हेतु यूनाइटेड यूनिवर्सिटी, प्रयागराज की तरफ से पूरा सहयोग प्रदान की जाने हेतु आश्वासन प्रदान किया गया। श्री शेफ मिर्जा शाजान बेग द्वारा समस्त बच्चों को पाक कला का प्रशिक्षण प्रदान किया गया ।अधीक्षक राजकीय संप्रेक्षण गृह किशोर श्री राकेश चौरसिया द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम की तारीफ करते हुए शेफ मिर्जा शाजान बेग का आभार व्यक्त किया गया। जानकारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयागराज द्वारा प्रदान की गई

रेलवे ने स्वच्छता अभियान का किया आगाज

1 अगस्त से 15 अगस्त, 2025 तक देश के सभी प्रमुख स्टेशनों पर चलेगा अभियान।

- रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार ने नई दिल्ली स्टेशन पर अधिकारियों और कर्मचारियों को दिलाई स्वच्छता की शपथ।
- इस अवसर पर विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर श्रमदान के माध्यम से व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया।

भारत संवाद

नई दिल्ली: स्वतंत्रता दिवस के उल्लास को स्वच्छता अभियान से जोड़ते हुए रेलवे ने 1 अगस्त से 15 अगस्त, 2025 तक देशभर के स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान की शुरूआत की है। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर इस अभियान की शुरूआत करते हुए रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष ने अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ मिलकर श्रमदान में भी भाग लिया। इस अवसर पर पौधारोपण भी किया गया। सतीश कुमार ने स्टेशन पर प्रयोग में लाई जा रहीं सफाई मशीनों का भी निरीक्षण किया और यात्रियों से संवाद कर स्वच्छता पर फीडबैक भी प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि स्टेशन परिसर को स्वच्छ रखने के उद्देश्य से यात्रियों में जागरूकता पैदा करना जरूरी है। इसके लिए रेलवे स्टेशनों पर नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया जाएगा। स्वच्छता अभियान के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा देश में शुरू की गई स्वच्छ भारत की मुहिम में रेलवे बहुत अच्छा कार्य कर रहा है। इसी कड़ी में फेज-1 में 15 दिनों का ये कार्यक्रम चलेगा। इसके बाद 16 अगस्त से अक्टूबर तक फेज-2 में स्वच्छता का ये कार्यक्रम चलेगा। ये अक्टूबर तक ही सीमित नहीं रहेगा। हम अपनी दिनचर्या में, अपने कार्य में साफ-सफाई को ढाल रहे हैं, जिससे कि यात्रियों को एक साफ स्टेशन दे सकें। दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पहले और अब में बहुत फर्क है। यही नहीं, पहले जो जगह डंपिंग ग्राउंड थी, आज वहां पर गार्डन है। लोगों को अच्छा वातावरण मिला है। मैंने कई जगह आज निरीक्षण किया और सफाई का जायजा लिया। रेलवे के सभी कर्मचारी और अधिकारी देशभर में 7,000 रेलवे स्टेशनों पर साफ-सफाई की निगरानी कर यात्रियों को अच्छी व्यवस्था देने में लगे हैं। उन्होंने कहा कि सफाई केवल स्टेशनों तक सीमित नहीं है। ट्रेनों में साफ-सफाई की उचित व्यवस्था की जा रही है। स्टेशनों पर हमने क्लिन ट्रेन स्टेशन की व्यवस्था की है। इसके अतिरिक्त रेल मदद पर आने वाली शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई करते हैं। इस अभियान के तहत हम यात्रियों में जागरूकता लाना चाहते हैं। इस अवसर पर उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा, मंडल रेल प्रबंधक दिल्ली पुष्पेश रमण त्रिपाठी सहित रेलवे के कई अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

प्रयागराज जंक्शन पर स्वच्छता जागरूकता रैली एवं नुक्कड़ नाटक का आयोजन

भारत संवाद

स्वतंत्रता दिवस -2025 के अवसर पर दिनांक 01/08/2025 से 15/08/2025 तक भारत सरकार के 15 दिवसीय राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान के अंतर्गत रेलवे द्वारा भी स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है । प्रयागराज मंडल द्वारा दिनांक 01.08.2025 को प्रयागराज मण्डल के अपर मण्डल रेल प्रबंधक/सामान्य, श्री संजय सिंह के नेतृत्व में स्वच्छता शपथ के साथ स्वच्छता अभियान का शुभारम्भ किया गया । प्रयागराज मंडल द्वारा चलाये जा रहे स्वच्छता अभियान के क्रम में आज दिनांक 02.08.2025 को वरिष्ठ मंडल पर्यावरण एवं रखरखाव प्रबंधक, श्री अलोक केसरवानी के नेतृत्व में प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफॉर्म संख्या- 6 से 1 तक स्वच्छता रैली निकली गयी एवं प्रयागराज मंडल की भारत स्काउट एवं गाइड टीम के द्वारा प्लेटफॉर्म संख्या -1 पर एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया । इस नुक्कड़ नाटक के माध्यम से यात्रियों एवं कर्मचारियों के स्वच्छता बनाये रखने एवं गंगा को स्वच्छ बनाये रखने के लिए सन्देश दिया गया । इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल पर्यावरण एवं रखरखाव प्रबंधक ने कहा कि 15 दिवसीय स्वच्छता अभियान को प्रयागराज मण्डल के सभी सभी कर्मचारियों को आत्मसात करना है, रेलवे स्टेशनों एवं आस-पास के क्षेत्रों को साफ-सुथरा व स्वच्छ बनाना हम सभी का कर्तव्य है । इस अवसर पर सहयक कार्मिक अधिकारी, श्री आदेश कुमार मिश्र एवं स्टेशन निदेशक/प्रयागराज, श्री वी की द्विवेदी, निरीक्षक, पर्यवेक्षक एवं स्वच्छता कर्मी उपस्थित थे ।

प्रथम अखिल भारतीय रेलवे जनसंपर्क सेमिनार का कोटा में सफल आयोजन

रेलवे जनसंपर्क विभाग की मांगो एवं उनकी केडर की कठिनाइयां, चुनोतियाँ रेल मन्त्री तक पहुँचाई जाएगी - श्री ओम बिरला, माननीय अध्यक्ष - लोकसभा

भारत संवाद

मुख्य अतिथि माननीय लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला जी की गरिमामयी उपस्थिति

भारतीय रेलवे के इतिहास में पहली बार जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा अखिल भारतीय रेलवे जनसंपर्क सेमिनार का भव्य आयोजन शनिवार को कोटा के मेनाल रेलवे ऑफिसर्स क्लब में किया गया। इस ऐतिहासिक आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला जी ने गरिमामयी उपस्थिति दर्ज की और भारतीय रेलवे जनसंपर्क कैडर की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।कार्यक्रम का शुभारंभ श्री बिरला जी के आगमन पर पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत से हुआ। तत्पश्चात, मंडल रेल प्रबंधक, कोटा श्री अनिल कालरा सहित विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन किया गया। मंडल रेल प्रबंधक श्री कालरा द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा किए जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों की सराहना की गई। इसके बाद जनसंपर्क विभाग के परिचय पर एक संक्षिप्त वीडियो प्रदर्शित किया गया, जिससे जनसंपर्क कर्मियों की बहुआयामी भूमिका का परिचय उपस्थित जनसमूह को मिला।वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी श्री कमल जोशी द्वारा जनसंपर्क कैडर का विस्तृत परिचय प्रस्तुत किया गया, जिसमें विभाग की वर्तमान कार्यप्रणाली, दायित्व, एवं संरचनात्मक चुनौतियों को रेखांकित किया गया।माननीय श्री ओम बिरला जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि रेलवे का जनसंपर्क विभाग सरकार और जनता के बीच विश्वास का सेतु है। इसकी मजबूती से रेलवे की छवि और पारदर्शिता में वृद्धि होती है ह्व उन्होंने विभाग के हितों की रक्षा और समस्याओं के समाधान हेतु सकारात्मक आश्वासन भी प्रदान किया। इसके पश्चात मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न भेंट किया गया तथा कार्यक्रम का औपचारिक समापन धन्यवाद ज्ञापन से हुआ। इसके उपरांत सेमिनार सत्र आयोजित किया गया, जिसमें देशभर से आए वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी, जनसंपर्क अधिकारी एवं प्रचार निरीक्षकों ने अपने विचार, अनुभव एवं कैडर से संबंधित व्यावहारिक सुझाव प्रस्तुत किए। यह विचार-विमर्श सत्र जनसंपर्क विभाग की कार्यक्षमता, कैडर पुनर्गठन, और भविष्य की दिशा तय करने में मील का पत्थर सिद्ध हुआ। कार्यक्रम के अंत में मंडल रेल प्रबंधक, कोटा श्री अनिल कालरा, अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री ललित कुमार धुरंधर, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ जैन, मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री किशोर पटेल, नेता प्रतिपक्ष श्री लव शर्मा सहित रेलवे के विभिन्न संवर्गों के वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों और प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, सोशल मीडिया से जुड़े गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। इस आयोजन ने न केवल विभागीय एकजुटता को दर्शाया बल्कि जनसंपर्क कैडर की समस्याओं को नीति-निमार्ताओं के समक्ष प्रभावी रूप से प्रस्तुत करने का अवसर भी प्रदान किया।

श्रद्धांजलि

परमार्थ निकेतन गंगा जी की आरती श्री पिंगली वेंकय्या जी को की समर्पित

तिरंगे के जनक श्री पिंगली वेंकय्या जी की जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि

हमारा तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, यह भारत माता की आत्मा का प्रतीक : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

भारत संवाद

ऋषिकेश। आज भारतवर्ष पिंगली वेंकय्या जी की 147वीं जयंती मना रहा है। वह महान व्यक्तित्व जिन्होंने भारत के राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे की परिकल्पना कर देश को एक ऐसी पहचान दी, जो आज हमारी अस्मिता, आत्मसम्मान और अखंडता का प्रतीक है। उनका जीवन राष्ट्रसेवा, विज्ञान, और मातृभूमि के प्रति अद्वितीय समर्पण की प्रेरक गाथा है।परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि वेंकय्या जी एक सच्चे राष्ट्रभक्त थे। स्वदेशी आंदोलन से प्रेरित होकर उन्होंने न केवल विदेशी वस्त्रों का बहिष्कार किया, बल्कि कपास की कृषि में शोध कार्य भी प्रारंभ किया। उन्होंने अमेरिका से कंबोडियन कपास के बीज मंगवाकर भारतीय कपास के साथ क्रॉस-ब्रीडिंग की और एक नई हाइब्रिड कपास की किस्म विकसित की, जिसे वेंकय्या कपास के नाम से जाना गया। वेंकय्या जी का सबसे महान योगदान भारतीय राष्ट्रीय ध्वज की परिकल्पना और निर्माण है। स्वतंत्रता संग्राम के समय, एक राष्ट्रीय ध्वज की आवश्यकता महसूस की जा रही थी जो देशवासियों को एक सूत्र में बाँध सके। 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने जिस ध्वज को भारत का राष्ट्रीय ध्वज घोषित किया, उसका मूल आधार पिंगली वेंकय्या जी का ही डिजाइन था। स्वामी जी ने कहा कि आज जो तिरंगा हम गर्व से फहराते हैं, वह न केवल हमारी संप्रभुता का प्रतीक है, बल्कि उसमें वेंकय्या जी के तप, परिश्रम और देशभक्ति की जीवंत भावना समाहित है। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि हमारा तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, यह भारत माता की आत्मा का प्रतीक है। इसका प्रत्येक रंग और चिह्न हमारे जीवन मूल्यों और राष्ट्रीय आदर्शों का सजीव चित्रण है। केसरिया रंग वीरता, त्याग और बलिदान की भावना को दर्शाता हैय सफेद रंग शांति, सत्य और समरसता का प्रतीक हैय हरा रंग जीवन, समृद्धि और उन्नति की प्रेरणा देता है और मध्य में स्थित अशोक चक्र 24 तीलियों वाला यह चक्र सतत कर्म और धर्म के पथ पर आगे बढ़ने का संदेश देता है। युवाओं के लिए तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि एक आह्वान है देश के लिए जीने, सीखने, संघर्ष करने और कुछ कर दिखाने का। यह हमें याद दिलाता है कि हम उस भूमि के वासी हैं, जहाँ भगत सिंह ने हँसते-हँसते फाँसी को गले लगाया, जहाँ नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा कहा। आज जब भी तिरंगा लहराता है, हर युवा का हृदय गर्व से भर उठता है। आइए, तिरंगे को केवल हाथों में नहीं, दिलों में उठाएँ और अपने कर्म, चरित्र और संकल्प से भारत को विश्वगुरु बनाएं। आज, जब हम हर घर तिरंगा जैसे अभियानों के माध्यम से तिरंगे को आमजन से जोड़ते हैं, तब यह आवश्यक है कि हम बच्चों और युवाओं को बताएं कि इस तिरंगे की प्रेरणा और परिकल्पना किस महापुरुष की देन है। पिंगली वेंकय्या जी केवल झंडे के निमार्ता नहीं, बल्कि भारत की आत्मा के चितेरे थे। उन्होंने हमें वह प्रतीक दिया जिसने देश को स्वतंत्रता की राह पर एकजुट किया और आज भी हम सबको एक सूत्र में बाँधता है। उनकी जयंती पर भारत उन्हें शत-शत नमन करता है। आइए, इस अवसर पर संकल्प लें कि हम तिरंगे के गौरव को न केवल अपने हाथों में बल्कि अपने हृदय में भी धारण करें, और वेंकय्या जी जैसे राष्ट्रसेवकों के जीवन से प्रेरणा लेते हुए देश की सेवा में तत्पर रहें।

मुख्य रेल संरक्षा आयुक्त ने घटना स्थल का निरीक्षण कर घायलों से की मुलाकात

भारत संवाद

आज दिनांक 02 अगस्त , 2025 को रेल संरक्षा आयुक्त /पूर्वोत्तर परिमंडल, श्री प्रणजीव सक्सेना ने भाऊपुर स्टेशन यार्ड का निरीक्षण किया। ज्ञात हो कि दिनांक 01.08.2025 को भाऊपुर स्टेशन यार्ड के लूप लाइन लाइन न. 4 के पॉइंट न. -4 पर गाड़ी संख्या 15269 मुजफ्फपुर-साबरमती जनसाधारण एक्सप्रेस के इंजन साइड से 6वां एवं 7वां कोच अवपथित हो गया था। इस निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक/प्रयागराज, श्री रजनीश अग्रवाल; उप मुख्य यातायात प्रबधक/कानपुर, श्री आशुतोष सिंह; मंडल इंजीनियर-5, श्री आयुष सिंह एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, श्री रविन्द्र प्रसाद उपस्थित थे । गाड़ी संख्या 15269 मुजफ्फपुर-साबरमती जनसाधारण एक्सप्रेस के अवपथन में 2 यात्री गंभीररूप से एवं 3 यात्रियों को साधारण रूप से घायल हो गए थे। रेलवे प्रशासन द्वारा गंभीर रूप से घायल 02 यात्रियों को एवं साधारण रूप से घायल 3 यात्रियों को नियमानुसार अनुग्रह राशि प्रदान की गयी । रेल संरक्षा आयुक्त ने घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया तत्पश्चात अवपथन के उपरांत न्यू कोचिंग काम्प्लेक्स/कानपुर में लाये गए कोचों का निरीक्षण किया। न्यू कोचिंग काम्प्लेक्स में निरीक्षण के बाद रेल संरक्षा आयुक्त ने हैलट कानपुर में घायल यात्रियों से मुलकात की। श्री प्रणजीव सक्सेना, रेल संरक्षा आयुक्त, पूर्वोत्तर परिमण्डल, नागर विमानन मंत्रालय, भारत सरकार दिनांक 05.08.2025 को 10.30 बजे से सकंल्प हॉल, मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय / प्रयागराज में गाड़ी संख्या 15269 मुजफ्फपुर-साबरमती जनसाधारण एक्सप्रेस के भाउपुर यार्ड में दिनांक 01.08.2025 को लगभग 16:20 बजे घटित रेल अवपथन के सम्बन्ध में सांविधिक जांच करेंगें।

भगीरथ सेना ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

भारत संवाद

सहारनपुर। भगीरथ सेना, जो सैनी, शाक्य, कुशवाहा और मौर्य समाज की अग्रणी सामाजिक संस्था है, ने जिलाधिकारी सहारनपुर को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में भगवानपुर (हरिद्वार) क्षेत्र के भूमाफियाओं द्वारा एक समाजसेवी को फर्जी आरोपों में फंसाकर जेल भिजवाने और जांच प्रभावित करने का आरोप लगाया गया। ज्ञापन में बताया गया कि पंकज सैनी पुत्र स्व. जनेश्वर सैनी निवासी छुटमलपुर, जो हिन्दू संघर्ष समिति के संचालक हैं, ने बेहट तहसील के ग्राम बादशाहपुर व खुशहालीपुर में करीब 500 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे इंडस्ट्रियल पार्क (यूपीसीडा योजना) में हो रहे भूमि घोटाले की शिकायत मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से की थी। इस शिकायत को 29 अप्रैल 2025 को उपमुख्यमंत्री ने संस्तुत भी किया था।भगीरथ सेना का आरोप है कि इस खुलासे से घबराए भूमाफिया द साहब सिंह पुण्डीर, नीरज पुण्डीर और ब्लॉक प्रमुख योगेश पुण्डीर द ने हरिद्वार जनपद की पुलिस से सांठगांठ कर पंकज सैनी को सहारनपुर से भगवानपुर बुलाकर जेल भिजवा दिया। यह कार्यवाही बिना किसी विधिक सूचना के की गई, जिससे न केवल संविधान का उल्लंघन हुआ, बल्कि जांच को भी प्रभावित किया गया। सेना ने बताया कि भूमाफिया राजनीतिक दबाव के बल पर नदी, बंजर व पोखर की भूमि खरीदकर फर्जी कागजातों के जरिए कब्जा कर रहे हैं।जो भी इसका विरोध करता है, उसे झूठे मुकदमे में फंसाकर जेल भेजा जाता है।पंकज सैनी ने सोशल मीडिया पर अपनी गिरफ्तारी की आशंका पहले ही व्यक्त की थी। भगीरथ सेना ने मांग की है कि पूरे प्रकरण की जांच किसी स्वतंत्र एजेंसी या ब्ठब्क से कराई जाए और दोषी पुलिस व भूमाफियाओं पर कड़ी कार्रवाई हो।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को किया जाए प्रशिक्षित: बेबी रानी मौर्य

कुपोषण में कमी लाने हेतु गर्भवती महिलाओं को दिया जाए संतुलित आहार

भारत संवाद

सहारनपुर।मंत्री, महिला एवं बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग श्रीमती बेबी रानी मौर्य द्वारा सर्किट हाउस सभागार में संभव अभियान तथा विभागीय कार्यों एवं योजनाओं की समीक्षा की गई।

मंत्री द्वारा संभव अभियान के अंतर्गत कुपोषण मुक्त भारत की थीम पर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की रैली को हरी झंडी दी गई तत्पश्चात उनके द्वारा विभाग एवं आईटीसी के सहयोग द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण किया गया।विभाग द्वारा की जारी गतिविधियों के अंतर्गत माननीय मंत्री द्वारा पांच गर्भवती महिलाओं की गोद भराई एवं छोटे बच्चों का अन्नप्राशन किया गया।

मंत्री द्वारा समीक्षा के दौरान जनपद में चल रहे विभागीय कार्यक्रमों की जानकारी ली। आईटीसी द्वारा निर्मित कराए गए आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण एवं पोषण भी पढ़ाई भी के अंतर्गत बच्चों की लर्निंग में होने वाले सुधार हेतु आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को प्रशिक्षित किया गया जिसमें 137 मुख्य सेविकाओं को मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित करते हुए बच्चों में आने वाले सुधार हेतु कार्ययोजना का विश्लेषण किया गया।

मंत्री द्वारा आईटीसी संस्था से यह अपेक्षा की गई कि उनकी संस्था संभव अभियान के दौरान भी विभाग के साथ सहयोग एवं समन्वय करते हुए आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को प्रशिक्षित करें कि वह कुपोषण में कमी लाने हेतु धात्री महिलाओं को छोटे बच्चों के ऊपरी आहार में चावल का मांड, दाल का पानी तथा उबला हुआ पीसा हुआ आलू देने के निर्देश दिए। साथ ही स्वास्थ्य के दृष्टिगत माताओं को स्तनपान कराने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु जागरूक करने के निर्देश दिए। मंत्री द्वारा मवीकलां आंगनवाड़ी केंद्र का उद्घाटन किया गया तथा आईटीसी द्वारा किए जा रहे कार्यों को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर पूर्व सांसद प्रदीप चैधरी, जिला कार्यक्रम अधिकारी दुर्गेश प्रताप सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी अभिषेक कुमार पाण्डेय, बाल विकास परियोजना अधिकारी रामपुर मनिहारान, बाल विकास परियोजना अधिकारी शहर एवं अन्य समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारी/प्रभारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक डॉ पंकज कुमार, बाल विकास परियोजना अधिकारी रामपुर मनिहारान थे।

फास्ट ट्रैक

जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में तहसील बल्दीराय में सम्पूर्ण समाधान दिवस का हुआ आयोजन

भारत संवाद

सुलतानपुर ,जिलाधिकारी कुमार हर्ष की अध्यक्षता, पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह व मुख्य विकास अधिकारी अंकुर कौशिक की उपस्थिति में तहसील सभागार बल्दीराय में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।

1. तहसील समाधान दिवस बल्दीराय में 28 प्राप्त शिकायतों का तत्काल मौके पर निस्तारण किया गया। 153 अवशेष शिकायतों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी महोदय द्वारा सम्बन्धित अधिकारियों को समस्याओं का निस्तारण कर जांच आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये।

2. जिलाधिकारी महोदय द्वारा जनता की समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुनने के उपरान्त अन्य अवशेष प्रार्थना पत्रों के संबंध में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा गया कि शिकायतों का निस्तारण कर कृत कार्यवाही की सूचना उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

3. जिलाधिकारी महोदय द्वारा सभी सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को मौके पर ही एकीकृत प्रयास कर निस्तारण के निर्देश दिये गये। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जन शिकायतों का निस्तारण सम्बन्धित अधिकारीगण प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण ढंग से करते हुए शिकायतकर्ता को पूर्ण रूप से संतुष्ट किया जाय।

4. जिला स्तरीय सम्पूर्ण समाधान दिवस में विभिन्न विभागों के कुल 181 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें 28 प्रार्थना पत्रों का निस्तारण तत्काल मौके पर ही किया गया तथा अवशेष शिकायतों का निस्तारण समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण किए जाने के निर्देश दिये गये।

5. इसी प्रकार अन्य समस्त तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन कर जन शिकायतें सुनी गयी और सम्बन्धित तहसील स्तरीय अधिकारियों द्वारा निस्तारित किए गये। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी मंजुल मयंक सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

डीआईजी ने सुनी फरियादियों की समस्याएं

सहारनपुर। पुलिस उपमहानिरीक्षक, सहारनपुर परिक्षेत्र, सहारनपुर अभिषेक सिंह ने परिक्षेत्रीय कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान आमजन की शिकायतों को गंभीरता एवं संवेदनशीलता से सुना। उन्होंने प्रत्येक फरियादी की समस्या को विस्तार से समझते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर त्वरित और पारदर्शी ढंग से किया जाए जनसुनवाई के दौरान उन्होंने उपस्थित फरियादियों को आश्वस्त किया कि उनकी शिकायतों पर आवश्यक कार्रवाई शीघ्र की जाएगी। साथ ही, यह भी कहा कि जनता का पुलिस पर विश्वास बनाए रखना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जनसुनवाई में कई जिलों से आए फरियादियों की उपस्थिति रही, जिनकी समस्याओं को सुनकर संबंधित विभागों को मौके पर निर्देश जारी किए गए

महादेव ही अवतार लेकर सृष्टि में संतुलन करते हैं : कालेन्द्रानंद

भारत संवाद

सहारनपुर। राधा विहार स्थित ओघड़ दानी नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में चल रही शिव महापुराण कथा में स्वामी कालेंद्रानंद जी महाराज ने कहा महादेव ही अवतार लेकर सृष्टि में संतुलन करते हैं। श्री राम कृष्ण विवेकानंद संस्थान के तत्वाधान में आयोजित श्रावण मास पूजा अंतर्गत शिव महापुराण कथा में मुख्य अजमान संजय राणा एवं ऋषभ शर्मा ने शिव महापुराण का पूजन किया और महाराज श्री का तिलक का आशीर्वाद प्राप्त किया। शिव महापुराण कथा में प्रवचन करते हुए स्वामी कालेंद्रानंद जी महाराज ने कहा कि महादेव ब्रह्म ऊर्जा है और साक्षात ऊर्जा पिंड है इस ऊर्जा से ब्रह्मांड संतुलित रहता है। ब्रह्मा जी के तपस्या करने पर शिवजी ने उन्हें वेद प्रदान कर आशीर्वाद दिया। परंतु विषय विस्तार होने के कारण उनका अध्ययन करना ,समझना और उसे जीवन में उतरना बड़ा कठिन था। इसी कारण महादेव ने व्यास जी अवतार धारण कर वेदों का चार भागों में ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद में विषय अनुसार विभाजन किया। महाराज श्री ने कहा शिव ही समस्त सृष्टि की व्यवस्था को संचालित करते हैं और संतुलित भी करते हैं इसलिए जीवन में शिव की भक्ति आवश्यक है शिव ऐसी गुणात्मक ऊर्जा है जो समान भाव में हर स्थान पर वास करती है और कर्म के अनुसार फल देकर कल्याण करती है। भगवान शिव का आधार मूर्ति वादी कम है बल्कि व्यवस्थित सतत कर्म को क्रियान्वित करने वाली व्यवस्था है जिससे संसार के प्रत्येक जीव को गुजरना पड़ता है

जवार टोल पर फॉर्च्यूनर सवारों पर जानलेवा हमला, एक नामजद आरोपी क्रेटा कार सहित गिरफ्तार

भारत संवाद

इगलास/अलीगढ़, थाना मुरसान क्षेत्र के गांव कोरना चमरूआ निवासी जगमोहन रावत पर जवार टोल प्लाजा के पास एक सुनियोजित हमले में फॉर्च्यूनर कार सवारों पर ईंट-पत्थरों से जानलेवा हमला किया गया। घटना के दौरान पीड़ित अपने भाई चंद्रशेखर और ड्राइवर मनीष मौर्य के साथ अलीगढ़ जा रहे थे। हमले में फॉर्च्यूनर गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई और तीनों की जान बाल-बाल बची।

पीड़ित की तहरीर पर थाना इगलास में मु.अ.सं. 503/25 अंतर्गत धारा 191(2)/191(3)/109/115(2)/352/351(3)/324(4) बीएनएस में मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले में 10झ12 अज्ञात हमलावरों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की गई थी।

जांच के दौरान एक आरोपी का नाम पंकज सिंह पुत्र भूरी सिंह निवासी नगला जगता, उम्र 34 वर्ष के रूप में सामने आया है, जिसे पुलिस ने क्रेटा कार (UP85CS1113) सहित गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को माननीय न्यायालय भेज दिया है, जबकि अन्य नामजदों की तलाश जारी है।

गिरफ्तार करने वाली टीमः
SHO नरेंद्र यादव
SHO क्राइमः सुभाष सिंह कठेरिया
SSI ऋषिपाल कंसाना
SI वद्रीराम
SI जय प्रकाश
कांस्टेबल मोनू कश्यप
कांस्टेबल अंकित कुमार

आरोपी का आपराधिक इतिहासः
1. मु.अ.सं. 503/25, धारा 191(2)/191(3)/109/115(2)/352/351(3)/324(4), थाना इगलास
2. मु.अ.सं. 409/20, धारा 188/269 भा.दं.वि.
3. मु.अ.सं. 560/20, धारा 147, 148, 149, 307, 324, 336, 504, 506, थाना इगलास

पुलिस द्वारा बरामद की गई वाहन क्रेटा कार संख्या UP85CS1113

पुलिस अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। क्षेत्र में घटना को लेकर आक्रोश है और पुलिस प्रशासन मामले को गंभीरता से लेते हुए लगातार निगरानी बनाए हुए है।

पूर्व मंत्री की नातिन ने अपना मोर्चा के नेताओं पर लगाया आरोप

नातिन ने कहा कि, लोग उनके बाबा की फोटो व नाम का निजी स्वार्थ के लिये कर रहे हैं प्रयोग

- चौधरी नरेन्द्र सिंह के समर्थकों से गुमराह न होने की अपील की।
- नातिन ने कहा, अगर जरूरत पड़ी तो विधिक कार्यवाही भी करेंगे।

भारत संवाद

कानपुर नगर। एनडीए में शामिल अपना दल (एस) से असंतुष्ट होकर एक नया संगठन तैयार करने वाले एक नेता पर भाजपा सरकार में पूर्व मंत्री के परिजनों ने यह आरोप लगाया है कि राजनीतिक महत्वाकाँक्षा की पूर्ति हेतु उनके बाबा जी की फोटो, नाम व ख्याति का लाभ लेना चाहता है। यह भी आरोप लगाया कि असंतुष्ट नेता, सूबे की जनता व समाज को गुमराह कर रहा है, जबकि उनके बाबा जी ने निःस्वार्थ भाव से जन कल्यार्थ कार्य किया है, वो सदैव ही स्वार्थपरक राजनीति से दूर रहे एवं प्रदेश की जनता की सेवा करते रहे।साकेतनगर स्थित एक गेस्ट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में उत्तर प्रदेश में पूर्व मंत्री रहे चौधरी नरेन्द्र सिंह की नातिन निहारिका सिंह ने बताया कि, निजी स्वार्थ की पूर्ति हेतु एनडीए में शामिल राजनैतिक पार्टी अपना दल (एस) से असंतुष्ट होकर अपना मोर्चा नाम का एक राजनैतिक संगठन तैयार किया गया है और उसके नेता ब्रजेन्द्र प्रताप सिंह व उसके नेतागण चौधरी नरेन्द्र सिंह की फोटो लगाकर जनता को धोखा देने का काम कर रहे हैं। इसका हम लोग पुरजोर विरोध करते हैं और सभी से अपील करते हैं कि इन स्वार्थी नेताओं के बहकावे में कतई न आयें।निहारिका ने यह भी कहा, हम अपने बाबा चौधरी नरेन्द्र सिंह की फोटो व नाम का प्रयोग करने का निर्णय लेना हमारे परिवार का व्यक्तिगत मामला है और अगर कोई स्वार्थी व्यक्ति, हमारे बाबा जी का नाम का प्रयोग अपने स्वार्थ सिद्ध करने के लिये करेगा, तो हम सब खुलकर विरोध करेंगे और उसके मंसूबों को कतई पूरा नहीं होने देंगे।प्रेस वार्ता में निहारिका सिंह, भाजपा जिलामंत्री दक्षिण संजय कटियार व दीप्ति सिंह मौजूद रहीं।

4 अगस्त को मुख्यमंत्री होंगे सहारनपुर में

भारत संवाद

सहारनपुर। तैयारियां युद्ध स्थर पर जोरों पर हैं... क्योंकि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 4 अगस्त को सहारनपुर के गंगोह रोड इस्थित प्राचीन धार्मिक स्थल गोगा महाड़ी का दौरा करेंगे। मुख्यमंत्री यहां गुरु गोरखनाथ और जाहवीर गोगा महाराज की विधिविधान के साथ पूजा-अर्चना करेंगे और करोड़ों रुपये की लागत से तैयार हुए मानसरोवर का भी उद्घाटन करेंगे। मुख्यमंत्री योगी के दौरे को लेकर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है... गोगामहाड़ी के कच्चे रास्तों को पक्की सड़कों में बदला जा रहा है। नगर निगम, च्क और पुलिस विभाग मिलकर 24 घंटे तैयारियों में जुटे हैं। एसपी सिटी व्योम बिंदल खुद सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी कर रहे हैं, और पूरे क्षेत्र में ब्ब्ज्ट कैमरे लगाए जा रह हैं।एसपी सिटी वियोम बिन्दल ने मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर सुरक्षा के पूरे बंदोबस्त किए गए हैं। हमारे जवान हर इलाके की निगरानी कर रहे हैं। धार्मिक स्थल सेवादार अनिल कुमार सैनी ष्गोगामहाड़ी पूरे देश में एक प्रसिद्ध स्थल है, एक यहां सहारनपुर में और दूसरा राजस्थान में है। वर्षों से श्रद्धालु यहां आकर मनोकामना मांगते हैं। मुख्यमंत्री जी के आगमन से हमारी मान्यता को और बल मिलेगा। मुख्यमंत्री के दौरे में कानून-व्यवस्था और विकास कार्यों की समीक्षा बैठक भी प्रस्तावित है। साथ ही, वे श्रद्धालुओं को भी संबोधित कर सकते हैं। योगी आदित्यनाथ 4 अगस्त की रात सहारनपुर में ही रात्रि विश्राम भी कर सकते हैं। सहारनपुर पूरी तरह तैयार है मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्वागत के लिए। अब देखना ये होगा कि उनके दौरे से इस ऐतिहासिक धार्मिक स्थल को कितना और विकास मिलता है।

सफाई कर्मियों के हमदर्द बने नगर आयुक्त-नगर आयुक्त ने सफाई कर्मियों को दोस्त बनाकर सफाई में सुधार के लिए मांगा सहयोग

नगर आयुक्त ने सफाई कर्मचारियों को कहा दोस्त-स्वच्छ अलीगढ़ स्वस्थ अलीगढ़ के लिए आपका योगदान अमूल्य है-बिना आपके सहयोग के शहर की सफाई शून्य है

- नगर आयुक्त ने वार्ड 15 गूलर रोड का किया निरीक्षण-खामियों को देखकर मुस्कुराए नगर आयुक्त-सफाई मित्रों को खड़ा कर सिखाया स्वच्छता का पाठ
- नगर आयुक्त के एक्शन पर वर्षों बाद गूलर रोड से खैर रोड को जाने वाले नाले की सफाई हुई शुरू- गली 1 में पहुँचकर नाला गैंग की नगर आयुक्त ने की हौसलाअफजाई

भारत संवाद

शनिवार को नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा का वार्ड 15 स्थित गूलर रोड क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान एक नया रूप सामने आया। आमतौर पर सख्त तेवरों में नजर आने वाले नगर आयुक्त इस बार सफाई कर्मियों के हमदर्द और साथी बनकर सामने आए। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने सफाई व्यवस्था की खामियों को तो नोट किया ही साथ ही सफाई मित्रों को एकजुट कर उन्हें प्रेरणा भी दी।

नगर आयुक्त ने इस दौरान कहा

स्वच्छ अलीगढ़, स्वस्थ अलीगढ़ का सपना सिर्फ नगर निगम का नहीं, हम सभी का है। सफाई मित्रों के बिना ये सपना अधूरा है आप सब मेरे साथी हैं। आपके योगदान की कोई बराबरी नहीं कर सकता। शहर की स्वच्छता आप पर ही निर्भर है, और मैं आपके हर कदम पर साथ हूं।

इस भावुक अपील से प्रेरित होकर सभी 28 सफाई कर्मचारियों ने नगर आयुक्त को पूर्ण मनोयोग से कार्य करने और दायित्वों का निर्वहन करने का भरोसा दिलाया।

तंग नाले की वर्षों पुरानी समस्या पर एक्शन

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त जब गली नंबर 1 से होकर नगला मसानी खैर रोड जाने वाले तंग नाले पर पहुँचे तो स्थानीय नागरिकों की पुरानी शिकायत याद आई। उन्होंने नाले की गहराई से सफाई (तली झाड़) के तत्काल निर्देश दिए थे, जिसकी शुरूआत शनिवार से युद्ध स्तर पर कर दी गई। नगर निगम की नाला गैंग द्वारा चल रहे इस कार्य की प्रगति को देखने नगर आयुक्त स्वयं मौके पर पहुँचे और कर्मचारियों का उत्साहवर्धन किया।

गैर हाजिर कर्मचारियों को मिली चेतावनी नहीं सजा

निरीक्षण के दौरान सुखमा कंपनी के कुछ कर्मचारी ड्यूटी पर अनुपस्थित मिले। नगर आयुक्त ने इस पर सख्त नाराजगी तो जताई, लेकिन साथ ही सुधार के लिए एक और मौका देने की मंशा जताई। उन्होंने कहा कि कटौती या सजा से बेहतर है कि सुधार का अवसर दिया जाए। यदि दोबारा लापरवाही मिली तो सख्त कार्रवाई तय है। सभी अनुपस्थित कर्मचारियों को नोटिस देने और समयबद्ध सुधार की चेतावनी दी गई है।

जल्द बनेगे हाजिरी स्थल -सफाई कर्मियों के लिए विशेष सुविधा की घोषणानगर आयुक्त ने इस अवसर पर सफाई कर्मियों की सुविधाओं के लिए कहा-हर बीट पर सफाई मित्रों के लिए हाजिरी स्थल जल्द बनाये जाएंगे, जहां पेयजल, विश्राम व छाया की समुचित व्यवस्था की जाएगी।

पब्लिक से की अपील

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने गली-मोहल्लों में घरों व दुकानों में जाकर नागरिकों से बातचीत की। उन्होंने दो कूड़ेदान रखने, कचरा नाली में न डालने, खाली प्लॉट में कचरा न फेंकने और ठोस अपशिष्ट को उचित समय पर बाहर रखने की अपील की। निरीक्षण में कई स्थानों पर खाली प्लॉट कचरे से भरे मिले, जिस पर उन्होंने स्वच्छता निरीक्षक को तत्काल नोटिस जारी करने व प्लॉट मालिकों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए।

टीबी मरीजो को पोषण किट वितरित

भारत संवाद

सहारनपुर। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत केंद्र सरकार, महामहिम राज्यपाल, प्रदेश सरकार कि प्राथमिकता के अनुरूप कारपोरेट सेक्टर्स, स्वयं सेवी संस्थाओ, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियो से सहयोग से टीबी मरीजो को प्रत्येक माह प्रोटीन युक्त पोषण सामग्री वितरित करने के प्रावधान के अंतर्गत आज जिला चिकित्सालय स्थित जिला क्षय रोग अधिकारी कार्यालय प्रांगण मे सहारनपुर नगर विधायक राजीव गुम्बर द्वारा स्टार पेपर आज टीबी का इलाज ले रहे मरीजो को पोषण किट वितरित की इस दौरान नगर विधायक ने कहा की योगी एवं मोदी सरकार द्वारा हर वर्ग के हर धर्म के लोगो को हर सरकारी योजना का लाभ दिया जाता है

पुलिस ने किया चोरी की घटना का खुलासा

सहारनपुर। थाना मण्डी पुलिस ने चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए एक वांछित को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी का गैस सिलेण्डर व अन्य सामान सहित चोरी में प्रयुक्त टैम्पों भी बरामद किया है।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. ई टी-55-विद्युत/कोचिंग-प्रया./2025-26 **दिनांक 30.07.2025**

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल अभियंता (कोचिंग) उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित फार्म पर **E-Tender** दिनांक: **22.08.2025** समय **15.00** बजे तक आमंत्रित करते हैं। निविदा के सम्बन्ध में मुख्य सूचनायें निम्नवत् है-

निविदा सं.: ETCHG-55

कार्य का नाम: एलएचबी शताब्दी कोचों में मौजूदा संयुक्त मिनी पैंट्री उपकरण को हटाना तथा नए संयुक्त मिनी पैंट्री उपकरण की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग करना।

कार्य की लागतः ₹ 95,26,140.00,	**धरोहर राशिः** ₹ 1,90,500.00,
समयावधिः 06, Months	**टेन्डर फार्म की कीमतः** Nil

निविदा का प्रकारः Works (Open Tender) under Capital (RSP) allocation.

निविदा खुलने की तिथिः 22.08.2025

नोटः 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर समय **15.00** बजे टेण्डर खुलने की तिथि तक उपलब्ध है। 2. उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको **I.T. Act 2000** के अन्तर्गत **CCA** द्वारा जारी **Digital** हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ **IREPS** की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। 5. निविदा सूचना को निम्नलिखित वेबसाइट पर भी देखा जा सकता है- **www.ncr.indianrailways.gov.in** 6. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए **IREPS** की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 7. ईएमडी का भुगतान केवल ऑनलाइन कई बैंक की नेट, डेबिट और क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किया जाना चाहिए। **1355/25 FA**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.: 4720252026 **ई-निविदा सूचना** **दिनांकः 31.07.2025**

मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्यों के लिये ई-निविदाएं प्रपत्र पर दिनांक **27.08.2025** को **13:30** बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्यों का विवरण निम्न प्रकार है-

क्र.सं: 1	निविदा नं.: 137	**अनुमानित मूल्य (रु.):** 1,21,99,967.88

कार्यों का विवरणः सहायक मण्डल अभियन्ता/मुख्यालय/द्वितीय/कानपुर के तहत एस.डी.एच. अस्पताल, सेन्ट्रल स्टेशन, फजलगंज एवं अनवरगंज में सुधार का कार्य।

बयाने की रकम (रु.): 2,11,000.00

क्र.सं: 2	निविदा नं.: 138	**अनुमानित मूल्य (रु.):** 3,28,41,932.35

कार्यों का विवरणः सहायक मण्डल अभियन्ता/मुख्यालय/द्वितीय/कानपुर के तहत प्रीमिक्स कार्पेट का उपयोग करके गोविन्द नगर, निराला नगर, आई. ओ. पी., एम.टी.सी. डिग्गी और आर.ई. कालोनी सी.पी.सी. एवं आर. ई. संस्थान कालोनी के रोड के सुधार का कार्य।

बयाने की रकम (रु.): 3,14,200.00

क्र.सं: 3	निविदा नं.: 139	**अनुमानित मूल्य (रु.):** 2,34,86,345.37

कार्यों का विवरणः सहायक मण्डल अभियन्ता/मुख्यालय/द्वितीय/कानपुर के तहत सेवा भवनों में सुधार जैसे कि एन.सी.सी. टी.आर.डी. कार्यालय मेमो कार शेड, इलेक्ट्रिकल कार्यालय और सहायक मण्डल अभियन्ता मुख्यालय कार्यालय में सुधार का कार्य।

बयाने की रकम (रु.): 2,67,400.00

क्र.सं: 4	निविदा नं.: 140	**अनुमानित मूल्य (रु.):** 2,34,86,379.08

कार्यों का विवरणः सहायक मण्डल अभियन्ता लाइन/कानपुर के तहत कानपुर-रूरा खंड में सेस की मरम्मत और चौड़ीकरण का कार्य।

बयाने की रकम (रु.): 2,67,400.00

कार्य समापन की अवधिः 08 माह, **निविदा खुलने की तिथिः** 27.08.2025, क्र.सं. 1 से 3 के लिये **इलिजिबिलिटी क्राइटएरिया के अन्तर्गत सिमिलर कार्यः** कोई सिविल इंजीनियरिंग कार्य एवं क्र.सं. 4 के लिये **इलिजिबिलिटी क्राइटएरिया के अन्तर्गत सिमिलर कार्यः** अर्थवर्क इन फारमेसन।

नोटः- 1. ऑन लाइन निविदा दिनांक **27.08.2025** को **13:30** बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। 2. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेसबसाइट **www.ireps.gov.in** पर समय **13:30** बजे टेण्डर खुलने की तिथि **27.08.2025** तक उपलब्ध है। **1365/25 (ADM)**

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONCR

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंर्टिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित। संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा। फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939 (किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

हल्दी एवं अदरक प्रसंस्करण विधियां

खुदाई करने से 2 दिन पूर्व खेत की हल्की सिंचाई कर दी जाती है और फिर जुताई करके अथवा दांतेदार यंत्र की मदद से खुदाई की जाती है। हल्दी के पूर्ण विकसित पंजे (क्लम्प) को बाहर निकाल लिया जाता है। फिर इस पंजे में लगी मिट्टी एवं रेशे वाली जड़ों को हंसिया या चाकू की मदद से काटकर हटा दिया जाता है।

हल्दी की फसल की खुदाई पौधों में लगी हुई पत्तियों के सूखकर गिर जाने पर की जाती है। खुदाई करने से 2 दिन पूर्व खेत की हल्की सिंचाई कर दी जाती है और फिर जुताई करके अथवा दांतेदार यंत्र (डिगिंग फोर्क) की मदद से खुदाई की जाती है। हल्दी के पूर्ण विकसित पंजे (क्लम्प) को बाहर निकाल लिया जाता है। फिर इस पंजे में लगी मिट्टी एवं रेशे वाली जड़ों को हंसिया या चाकू की मदद से काटकर हटा दिया जाता है। हल्दी के पंजे में दो प्रकार की गांठे मिलती हैं-

- पंजे के मध्य में एक ज्यादा मोटी एवं सख्त गांठ जिसका आकार ढ़ोलक जैसा होता है इसे मातृ प्रकंद कहते हैं और
- पतली उंगलियों जैसी 8 से 15 तक प्रकंद, जिनको पुत्री प्रकंद कहते हैं। खुदाई के तुरंत बाद इन दोनों प्रकार की गांठों को अलग-अलग कर लिया जाता है। मातृ प्रकंद का उपयोग सामान्यतः अगली फसल की बुवाई के लिए किया जाता है। बुवाई से अधिक मात्रा होने पर इसका अलग से प्रसंस्करण करते हैं। पुत्री प्रकंद को भी बोने के लिए भंडारित किया जाता है और अतिरिक्त मात्रा को प्रसंस्कृत किया जाता है।

हल्दी का प्रसंस्करण

हल्दी के मातृ एवं पुत्री प्रकंदों का प्रसंस्करण चार अवस्थाओं में पूर्ण किया जाता है।

उबालना

हल्दी के प्रकंदों को उबालने के लिये मिट्टी के बर्तन अथवा लोहे के बड़े व कम गहरे बर्तनों का प्रयोग किया जाता है। यदि गुड़ बनाने वाली उथली कड़ाही हो तो उसका भी प्रयोग किया जा सकता है। इस बर्तन में हल्दी रखने के बाद इसमें पानी भरा जाता है जिससे कि सभी प्रकंद अच्छी तरह से डूब जायें। इसके बाद हल्दी की पत्तियों की एक मोटी परत से प्रकंद को ढंक दिया जाता है।

सुखाना

हल्दी के उबले हुए प्रकंदों को पानी से बाहर निकालकर पतली परतों से पक्के फर्श में फैलाकर सूर्य ताप में सुखाएं। सामान्यतः उबली हुयी गांठों के सूखने में 7 से 10 दिन लग जाते हैं। सूखने पर प्रकंद सख्त और कड़क हो जाते हैं जिनको तोड़ने पर एक धात्विक आवाज आती है।

छिलके उतारना

अब इन सूखे हुये प्रकंदों के ऊपरी सतह में लगे छिलकों को कठोर फर्श में रगड़ कर या बांस से बनी चटाई या टोकनी में रगड़कर हटाया जाता है। ऐसा करने से प्रकंद चिकने, साफ और जड़ रहित हो जाते हैं। हल्दी की मात्रा अधिक होने पर छिलके उतारने का कार्य मशीन द्वारा किया जाता है।

इसमें चूने का पानी या सोडियम बाई-कार्बोनेट या सोडियम कार्बोनेट का घोल मिलाने से तैयार हल्दी का रंग आकर्षक पीला बनता है। अब हल्दी को उबालने की क्रिया प्रारंभ की जाती है। हल्दी को धीमी आंच में तब तक उबाला जाता है जब तक कि उसमें झाग और हल्दी की खुशबू न आने लगे। बीच-बीच में दो-चार प्रकंदों को बाहर निकालकर उनको उंगलियों से दबाकर उनके मुलायम हो जाने की परीक्षा की जाती रहती है। जब प्रकंद मुलायम होकर उंगलियों से दबने लगे, तब उबालने की क्रिया बंद कर दें।

प्रकंदों को रंगना

छिलका उतारी गयी सूखी हल्दी को रंगने का कार्य उपभोक्ताओं को आकृष्ट करने के लिए किया जाता है। रंगने का कार्य बांस की टोकनी में सूखी हल्दी को रखकर धीरे-धीरे उसमें रंगने का मिश्रण मिलाते एवं हिलाते हुए किया जाता है। ऐसा करने से हल्दी अच्छी दिखने लगती है। 1000 किग्रा हल्दी को रंगने के लिए फिटकरी (एलम) 40 मिग्रा, हल्दी चूर्ण 2 किग्रा, अरंडी का तेल 140 मिली, सोडियम बाई सल्फाइड 30 ग्राम एवं सान्द्र हाईड्रोक्लोरिक अथवा सान्द्र सल्फ्यूरिक अम्ल 30 मिली का प्रयोग किया जाता है।

मिश्रित मछली पालन अपनाने पर परम्परागत तरीके के प्रयोग से मिलने वाले उत्पादन की अपेक्षा 10-12 गुना अधिक मत्स्य उत्पादन मिलता है। इस विधि में तलाबों में विभिन्न आहार वाली अच्छी किस्म में कार्प प्रजातियों के मछली बीज उचित अनुपात एवं वजन मे संचयन कर जैविक एवं रसायनिक खाद का उचित मात्रा में प्रयोग किया जाता है तथा परिपूरक आहार भी दिया जाता है।

मत्स्य पालन से बढ़ेगा मुनाफा

मत्स्य उत्पादन के संसाधन

प्रदेश में मछली पालन के लिये कुल 1.589 लाख है। जलक्षेत्र उपलब्ध है। जिसमें अब तक कुल 1.432 लाख है। जलक्षेत्र विकसित किया जा चुका है। इसमें ग्रामीण तालाबों के कुल जलक्षेत्र 0.735 लाख है। जलक्षेत्र में से 0.636 लाख है। जलक्षेत्र का विकास कर मत्स्य पालन के अंतर्गत लाया जा चुका है।

मिश्रित मछली पालन

मिश्रित मछली पालन व्यवसाय,बेरोजगार युवकों के लिये आर्थिक स्थिति में सुधार करने हेतु एक महत्वपूर्ण साधन है। मिश्रित मछली पालन अपनाने पर परम्परागत तरीके के प्रयोग से मिलने वाले उत्पादन की अपेक्षा 10-12 गुना अधिक मत्स्य उत्पादन मिलता है। इस विधि में तलाबों में विभिन्न आहार वाली अच्छी किस्म में कार्प प्रजातियों के मछली बीज उचित अनुपात एवं वजन मे संचयन कर जैविक एवं रसायनिक खाद का उचित मात्रा में प्रयोग किया जाता है तथा परिपूरक आहार भी दिया जाता है। सामान्यतः मिश्रित मछली पालन में पाली जाने वाली प्रजातियां कतला, राहू, मृगल, कामनकार्प, ग्रास कार्प, सिल्वर कार्प है। वर्तमान में मिश्रित मछली पालन ग्राम पंचायतों के तालाबों में किया जा रहा है। परंतु खाद एवं परिपूरक आहार न देने के कारण उत्पादन में समुचित वृद्धि नहीं हो रही है। अतः स्वयं की भूमि में तालाब निर्माण कराकर व उनमें, मिश्रित मछली पालन कर, लगभग 6000-8000 किग्रा/हेक्टर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। प्रदेश में वर्ष 2007-2008 तक स्वयं की भूमि में नवीन तालाब कुल 1834 तालाब जलक्षेत्र 1240.51 हेक्टर का निर्माण कर मिश्रित मछली पालन आधुनिक तरीके से किया जा रहा है।

एकीकृत मछली पालन

एकीकृत मछली पालन का पालन का आशय मछली पालन के साथ-साथ दूसरे उत्पादन जैसे बतख पालन, मुर्गीपालन, सूकर पालन एवं कृषि बागवानी के साथ समन्वयन से है। मिश्रित मछली पालन में जैविक एवं रसायनिक खाद तथा परिपूरक आहार के प्रयोग से अधिक उत्पादन के साथ-साथ उत्पादन मूल्य भी बढ़ जाता है। इस आर्थिक समस्या के समाधान के मछली पालन को विभिन्न इकाईयों जैसे- मुर्गी, बतख, कृषि बागवानी, मवेशी पालन के साथ जोड़ने की व्यवस्था की जाती है। जिससे कृषकों को मछली पालन से आय के साथ-साथ अन्य उत्पादों के समन्वयन से अतिरिक्त आय मिलती है। इस अंतरबद्धता के कारण मवेशी पालन, बागवानी या कृषि से परित्यक्त पदार्थो का उपयोग मछलियों के लिए परिपूरक आहार या खाद के रूप में उपयोग होता है तथा दूसरी ओर तालाब के जल तथा उसके बंध और मछली पालन से उत्पन्न व्यर्थ पदार्थो का उपयोग कृषि एवं मछली पालन में किया जाता है। ऐसी व्यवस्था से लागत खर्च में काफी कमी आ जाती है।

वर्तमान में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार छत्तीसगढ़ प्रदेश में वर्ष 2008-09 तक कुल 3552 एकीकृत मत्स्य पालन की इकाईयां स्थापित की जा चुकी हैं। जिसमें बतख सह मछली पालन की 1101 इकाईयां स्थापित की गई है। इसी तरह मुर्गी सह मछली पालन की 881 इकाईयां, सूकर सह मछली पालन की 222, फलोद्यान सह मछली पालन की 424, डेयरी सह मछली पालन की 272, धान सह मछली पालन की 446, एवं बकरी सह मछली पालन की 206 इकाईयां स्थापित की जा चुकी है। मत्स्य कृषकों के रूझान को देखते हुए बतख सह मछली पालन एवं मुर्गी सह मछली पालन एवं फलोद्यान सह मछली पालन छत्तीसगढ़ में सबसे अधिक उपयोगी पाया गया है। एकीकृत मत्स्य पालन के अंतर्गत बतख सह मछली पालन से प्रोटीन उत्पादन के साथ-साथ बतखों के मलमूत्र का उचित उपयोग होता है। बतख सह मछली पालन में प्रति हेक्टर 1 वर्ष में 400 किग्रा मछली, बतख से 15000 अण्डे तथा 500 किग्रा बतख के मांस का उत्पादन किया जा सकता है। इस प्रकार से मछली पालन में न तो जलक्षेत्र मे कोई खाद, उर्वरक डालने की आवश्यकता है और न ही मछलियों को पूरक आहार देने की आवश्यकता है। मछली पालन पर लगने वाली लागत में 50-60 प्रतिशत की कमी हो जाती है।

पाली जाने वाली मछलियां एवं बतख एक दूसरे के अनुपूरक होती है। बतखें पोखर के कीड़े, मकोड़े, टेडपोल, घोंघे, जलीय वनस्पति पर नियंत्रण रखती है। बतखों को अपने भोजन का 50 प्रतिशत भाग जलक्षेत्र से ही प्राप्त हो जाता है। तालाब में बतख के तैरते रहने से वायुमंडल की आक्सीजन पानी भी मिलती रहती है। इसी प्रकार बतख सह मछली पालन से तालाब में अतिरिक्त खाद डालने की आवश्यकता नहीं पड़ती है एवं बतखों को साफ सुरक्षित परिवेश एवं उत्तम प्राकृतिक भोजन भी उपलब्ध हो जाता है। प्रति हेक्टर 200-300 नग बतख रखना पर्याप्त होता है।

मुर्गी पालन में भी पोल्ट्री लीटर को पोखर में खाद के रूप में डाला जाता है। मुर्गी सह मछली पालन से प्रति हेक्टर वर्ष 60,000 अंडे, 500-600 किग्रा, मुर्गी का मांस तथा 3500 किग्रा मछलियों का उत्पादन किया जाता है। 1 हेक्टेयर के लिए 500 मुर्गियां रखना पर्याप्त होता है। एकीकृत मछली सह मुर्गी पालन में मछली, मुर्गी के अण्डे तथा मांस की प्राप्ति से अधिक आय होती है तथा तालाबों में मछलियों के लिये अतिरिक्त फीड देने की आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि मुर्गियों द्वारा विसर्जित व्यर्थ पदार्थो में पाये जाने वाले नाइट्रोजिनस पदार्थो से इसकी पूर्ति हो जाती है। फलोद्यान सह मछली पालन में तालाब के मेढ पर अरहर, टमाटर, कुंदरू, तेल युक्त सब्जियां, पपीता, भांटा, मिर्च, लौकी, फूलों के पौधे आदि लगाये जा सकते हैं जिससे किसान सम्पूर्ण क्षेत्र का समुचित उपयोग कर अतिरिक्त आय कमा सकते हैं।

... तो खास होगी पुदीना की फसल

काला कीट : पुदीना की बेहतर फसल लेने के लिए कीटों को पहचानना और उन्हें नियंत्रित करना बेहद जरूरी है. प्रमुख कीट और उनका नियंत्रण उपाय निम्नानुसार है :-

यह काले रंग का बीटल होता है। विकसित कीट 5-7 मिलीमीटर लम्बा होता है। पोदीने के जब केवल 5-7 पत्तियाँ निकली होती है तो यह कीट उनकी सभी पत्तियों को काटकर खा जाता है। मैलाथियान 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से पानी में घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिये।

सफेद मक्खी

यह पौधों की निचली पत्तियों पर नीचे की सतह पर रहती है। वह पौधों से रच चूसती है तथा कीट विभिन्न प्रकार के विषाणु भी एक पौधे से दूसरे पौधे में पहुंचाते हैं।

नियंत्रण

फास्फोमिडान 200 से 400 मिली या मैलाथियान 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिये।

सेमीलूपर

सूंडी पत्तियों को काटकर खाती है और गोल या टेढा छेद बनाती है।

नियंत्रण

मैलाथियान 200 से 500 मिलीलीटर या क्विनालफास 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिये।

लेस बग

यह कीट भूरे-काले रंग के होते है जिनके पंखों पर स्पष्ट रोंयें और जाल की तरह निशान बना होता है। जिसके कारण इसे लेस बग के नाम से जाना जाता है कीट का प्रौढ़ और शिशु पोदीने की कोमल पत्तियों के रस को चूसते हैं जिससे पत्तियों का रंग पीला पड़ने लगता है। ये कीट काले रंग का पदार्थ अपने शरीर से निकालते है। जिससे पत्तियाँ दूर से जली हुयी दिखाई देती है। इसके प्रकोप से बढ़वार रूक जाती है और उत्पादन बहुत कम हो जाता है।

नियंत्रण

डायमिथियेट 300-500 मिलीलीटर का घोल बनाकर छिड़काव करने से फसल को बचाया जा सकता है।

माहू

कीट कोमल तनों और ऊपरी निकलने वाली पत्तियों के पास लगकर रस चूसते है। इससे पोदीने का पौधा धीरे-धीरे कमजोर हो जाता है। कभी पोदीने में झुलसा रोग भी इस कीट के कारण फैलता है।

ट्रम्प बोले-सुना है भारत रूस से तेल खरीदना बंद करेगा

रिपोर्ट में दावा- भारत अभी भी मास्को से तेल ले रहा

एजेंसी

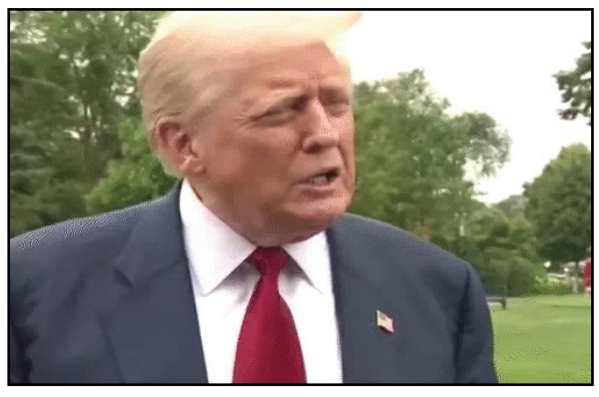

वॉशिंगटन डी सी, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने शुक्रवार को कहा कि ऐसी खबरें हैं कि भारत ज्यादा दिन तक रूस से तेल नहीं खरीदेगा। हालांकि, उन्होंने कहा कि उन्हें इन खबरों के सही होने की जानकारी नहीं है। लेकिन अगर ऐसा होता है तो यह अच्छी बात होगी। आगे देखते हैं कि क्या होता है। इससे पहले रॉयटर्स की रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि भारत ने अमेरिकी दबाव और कीमत बढ़ने की वजह से रूस से तेल खरीदना लगभग बंद कर दिया है। इसके बाद शुक्रवार शाम भारतीय विदेश मंत्रालय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। हालांकि, इसमें यह स्पष्ट नहीं किया गया कि इस दावे में कितनी सच्चाई है। वहीं, रॉयटर्स के दावों को खारिज करते हुए एएनआई ने कहा कि भारतीय कंपनियां अभी भी रूस से तेल खरीद रही है। रॉयटर्स ने 30 जुलाई को अपनी रिपोर्ट में कहा था कि भारतीय तेल कंपनियां जैसे इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और भारत पेट्रोलियम ने रूस से तेल की

खरीदी को रोक दी है, क्योंकि छूट कम हो रही है और शिपिंग में दिक्कतें आ रही हैं। इसमे यह भी कहा गया था कि, पिछले एक सप्ताह में रूस से कच्चे तेल की मांग नहीं की गई है। भारतीय रिफाइनरियां रूसी कच्चा तेल कम खरीद रही हैं, क्योंकि वहां से मिलने वाली छूट 2022 के बाद से सबसे कम हो गई है। अब रिफाइनरियों को डर है कि रूस पर लगे नए प्रतिबंधों से विदेशी व्यापार में मुश्किलें आ सकती है। यूरोपीय यूनियन ने 18 जुलाई को रूस पर नए प्रतिबंध लगाए थे। जिसमें रूसी तेल और ऊर्जा उद्योग को और अधिक नुकसान पहुंचाने के उपाय भी शामिल हैं । यूरोपीय यूनियन रूसी तेल की कीमत बाजार मूल्य से 15% कम रखने की कोशिश कर रहा है। इस बीच एएनआई की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि भारतीय कंपनियां अभी भी रूस से तेल खरीद रही है। विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने सूत्रों को बताया कि तेल की खरीद का फैसला पूरी तरह आर्थिक वजहों पर आधारित होता है, जैसे कि तेल की कीमत, उसकी किस्म, मौजूदा भंडार, लॉजिस्टिक सुविधा और दूसरी व्यावसायिक जरूरतें। अधिकारियों ने कहा कि रूस दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल उत्पादक और निर्यातक है। वह हर दिन करीब 9.5 मिलियन बैरल तेल निकालता है, जो दुनिया की कुल मांग का करीब 10% है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता है और अपनी जरूरत का करीब 85% कच्चा तेल आयात करता है। ऐसे में भारत ने अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन करते हुए ऊर्जा के अपने स्रोतों को रणनीतिक रूप से तय किया है ताकि सस्ती और भरोसेमंद आपूर्ति बनी रहे। भारतीय सूत्रों ने बताया कि रूस से तेल खरीदने पर कोई अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध नहीं है। हां, ॠ7 देशों और यूरोपीय यूनियन ने इसकी कीमत पर एक सीमा जरूर तय की है, ताकि रूस को बहुत ज्यादा कमाई न हो और दुनिया को तेल की सप्लाई भी बनी रहे। भारत ने हमेशा इस नियम का पालन किया है और जो भी तेल खरीदा है, वो अंतरराष्ट्रीय नियमों के अंदर रहकर ही खरीदा है। सूत्रों ने यह भी कहा कि जब ओपेक+ देशों ने तेल का उत्पादन बहुत कम कर दिया था, उस समय अगर भारत ने रूस से सस्ता तेल नहीं खरीदा होता, तो दुनिया में तेल की कीमतें और ज्यादा बढ़ जातीं। इससे महंगाई भी और बढ़ती। भारत ने समझदारी से फैसला लिया और एक ज़िम्मेदार खरीदार की तरह काम किया, जिससे तेल का बाजार स्थिर बना रहा। ट्रम्प प्रशासन ने 30 जुलाई को भारत से आयात पर 25% टैरिफ और अतिरिक्त जुमार्ना लगाया था। ये टैरिफ 7 अगस्त से लागू होगा। ट्रम्प ने भारत के रूस से तेल खरीदने और पुराने व्यापारिक प्रतिबंधों को इसका कारण बताया।

अंडरवियर पहने फर्श पर लेट गए पूर्व साउथ कोरियन राष्ट्रपति

पूछताछ में मदद नहीं की; यून सुक योल ने देश में इमरजेंसी लगाई थी

एजेंसी

सियोल, जेल में बंद दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून सूक योल खुद पर लगे गंभीर आरोपों की जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं। न्यूज एजेंसी एएफपी सरकारी वकीलों ने बताया कि जब वे शुक्रवार को पूर्व राष्ट्रपति के पास पूछताछ पहुंचे, तो यून अंडरवियर पहनकर फर्श पर लेट गए। यून ने जेल में दिए गए कपड़े पहनने से भी इनकार कर दिया। यून सुक योल पर चुनाव में गड़बड़ी करने का आरोप है। इसी से जुड़ी पूछताछ के लिए सरकारी वकील पहुंचे थे। सुरक्षा वजहों से उनके साथ शारीरिक बल का इस्तेमाल नहीं किया गया और वारंट को फिलहाल रोक

दिया गया। राष्ट्रपति यून ने 3 दिसंबर की रात को देश में मार्शल लॉ लगा दिया था। हालांकि भारी विरोध के बाद उन्होंने 6 घंटों के भीतर ही अपना फैसला वापस ले लिया था। इसके बाद उन्हें महाभियोग लगाकर पद से हटा दिया गया था। वकीलों के मुताबिक, यून ने उस समय बिना आस्तीन वाला एक टॉप और जेल का अंडरवियर पहना हुआ था। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी है कि अगली बार अगर जरूरत पड़ी तो उन्हें जबरदस्ती भी लाया जा सकता है। इस पूरी घटना पर यून की कानूनी टीम ने जवाब दिया है। उनके वकील यू जियोंग-ह्वा ने कहा कि सरकारी वकीलों ने प्रेस के सामने जो ब्रीफिंग दी, वह अपमानजनक थी। उन्होंने कहा कि एक बंदी के कपड़ों पर इस तरह सार्वजनिक टिप्पणी करना इंसानियत के खिलाफ है, खासकर तब जब वह 40 डिग्री तापमान वाली एक गर्म जेल में बंद है। यून के वकीलों का कहना है कि पूर्व राष्ट्रपति की तबीयत ठीक नहीं है। उन्हें कई बीमारियां हैं, जो जांच में सहयोग करने में रुकावट बन रही हैं। दक्षिण कोरिया के न्याय मंत्री जंग सुंग-हो ने इस पूरे घटनाक्रम को शर्मनाक बताया। उन्होंने संसद में कहा कि पूर्व राष्ट्रपति को ऐसा बर्ताव नहीं करना चाहिए था। मंत्री ने कहा कि यून ने जानबूझकर जेल की वर्दी उतारी और जब जांच टीम चली गई, तो फिर से पहन ली। हालांकि सरकार ने भरोसा दिलाया है कि यून के पूर्व राष्ट्रपति होने के नाते उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जाएगा, लेकिन कानून सब पर समान रूप से लागू होगा। गौरतलब है कि पूर्व राष्ट्रपति यून सूक योल पर देश में मार्शल लॉ लागू करने की कोशिश का आरोप है।

यूनुस बोले- भारत ट्रम्प से ट्रेड डील करने में फेल

हमने 17% टैरिफ कम कराया, इससे बांग्लादेश की कपड़ा इंडस्ट्री को फायदा होगा

एजेंसी

ढाका, बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने कहा कि अमेरिका के साथ ट्रेड डील करने में भारत फेल हुआ है। उन्होंने कहा कि समझौता न होने की वजह से भारत को अब 25% टैरिफ देना पड़ेगा, जो बांग्लादेश के मुकाबले ज्यादा है। अमेरिका ने बांग्लादेश पर 20% टैरिफ लगाया है। इससे पहले अप्रैल में अमेरिका ने बांग्लादेश पर 37% टैरिफ लगाया था। यानी कि बांग्लादेश 4 महीने में अमेरिका से 17% टैरिफ कम कराने में कामयाब रहा। यूनुस ने इसका श्रेय अपने टैरिफ को लेकर अमेरिका से बातचीत करने वाले अधिकारियों को दिया। उन्होंने इसे कूटनीतिक जीत बताया और कहा कि इससे बांग्लादेश की कपड़ा इंडस्ट्री को मजबूती मिलेगी। यूनुस ने एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा- बांग्लादेश को मिली टैरिफ दर उसके कपड़ा इंडस्ट्री के प्रतिस्पर्धियों जैसे श्रीलंका, वियतनाम, पाकिस्तान और इंडोनेशिया के बराबर है, जिन्हें 19% से 20% के बीच टैरिफ दर मिली थी। यूनुस ने कहा एक समान टैरिफ के कारण बांग्लादेश के कपड़ा इंडस्ट्री पर कोई असर नही पड़ेगा। वहीं, बांग्लादेश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और प्रमुख वातार्कार डॉ. खलीलुर रहमान ने कहा, 'हम ज्यादा टैरिफ देने से सफलतापूर्वक बच गए हैं। यह हमारे

कपड़ा इंडस्ट्री और उस पर निर्भर लाखों लोगों के लिए अच्छी खबर है। हमने अपनी वैश्विक भूमिका को भी बनाए रखा है और दुनिया के सबसे बड़े उपभोक्ता बाजार तक पहुंचने के नए अवसर खोले हैं।' रहमान ने आगे कहा, 'हमने अपने देश के हितों को ध्यान में रख कर अमेरिकी अधिकारियों से बातचीत की। ये हमारी प्राथमिकता थी।' बांग्लादेश की कपड़ा इंडस्ट्री देश की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार है। बांग्लादेश की कपड़ा इंडस्ट्री चीन के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी रेडीमेड गारमेंट (आरएमजी) निर्यातक इंडस्ट्री है। कपड़ा इंडस्ट्री देश की जीडीपी का 11% और कुल निर्यात (एक्सपोर्ट) आय में 80% से अधिक योगदान देता है। इस इंडस्ट्री में 40 लाख से ज्यादा लोग काम करते हैं, जिनमें ज्यादातर महिलाएं हैं। भारत और बांग्लादेश के बीच संबंध अगस्त 2024 से खराब होना शुरू हुए। इसका सबसे बड़ा कारण बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार का हटना और मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार का आना है। इस बदलाव ने दोनों देशों के बीच व्यापार और कूटनीति को प्रभावित किया है। अगस्त 2024 में हसीना के सत्ता से हटने के बाद वह भारत में शरण ले चुकी हैं।

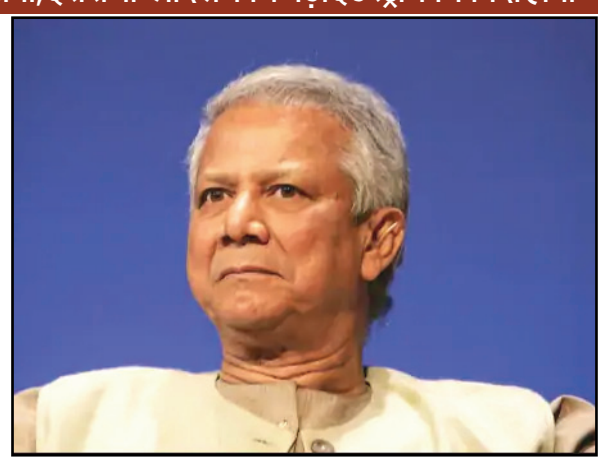

बांग्लादेश उनकी प्रत्यर्पण की मांग कर रहा है, लेकिन भारत ने इसे स्वीकार नहीं किया। इससे बांग्लादेश में भारत विरोधी भावनाएं बढ़ीं। अप्रैल 2025 में यूनुस और नरेंद्र मोदी की बैंकॉक में मुलाकात हुई, लेकिन कोई बड़ा समझौता नहीं हो सका।

रूस के पास 2 एटमी पनडुब्बियां तैनात करेगा अमेरिका

पूर्व राष्ट्रपति मेदवेदेव की धमकी पर ट्रम्प ने कहा- नतीजे भुगतने होंगे

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस के साथ बढ़ते तनाव के बीच शुक्रवार को रूस के नजदीक दो न्यूक्लियर पनडुब्बियां तैनात करने का आदेश दिए। साथ ही गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि पनडुब्बियां कहां तैनात की जाएंगी। ट्रम्प ने अपने इस कदम के पीछे रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव की भड़काऊ बयानबाजी को जिम्मेदार बताया। साथ ही ट्रम्प ने

मेदवेदेव के परमाणु हमले की धमकी पर कहा कि- 'अमेरिका रूस के परमाणु खतरों का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है।' दरअसल, मेदवेदेव ने एक्स पर कहा था- हम इजराइल या ईरान नहीं हैं। ट्रम्प की ओर से दिया गया हर नया अल्टीमेटम युद्ध की धमकी माना जाएगा। उन्होंने ट्रम्प को याद दिलाते हुए कहा था- 'रूस के पास सोवियत संघ के समय से परमाणु हमले डेड हैंड की क्षमता है।' ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर लिखा- 'रूस के पूर्व राष्ट्रपति और सिक्योरिटी काउंसिल के उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव की भड़काऊ बयानबाजी की वजह से मैंने रूस के नजदीक दो न्यूक्लियर पनडुब्बियों को तैनात करने का आदेश दिया है, ताकि भड़काऊ बयान सिर्फ बयानबाजी तक सीमित रहे। शब्द बहुत कीमती होते हैं और कई बार अनजाने में गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। मुझे उम्मीद है कि यह ऐसा मामला नहीं होगा।' ट्रम्प ने बताया डेड इकोनॉमी तो रूस ने डेड हैंड की याद दिलाई ट्रम्प ने 30 जुलाई को भारत पर 25% टैरिफ लगाने के बाद भारत और रूस को डेड इकोनॉमी बताया था। उन्होंने कहा था- भारत और रूस अपनी अर्थव्यवस्था को साथ ले डूबें, मुझे क्या। इसके जवाब में रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने कहा था कि अमेरिकी राष्ट्रपति घबरा गए हैं। मेदवेदेव ने टेलीग्राम पर लिखा था- 'ट्रम्प को डेड हैंड की खतरनाक ताकत याद रखनी चाहिए, भले ही यह अब मौजूद नहीं है।

कश्मीर के कुलगाम में दो आतंकी ढेर

इनमें से एक हिट-लिस्ट में था; पहलगाम हमले के बाद खुफिया एजेंसियों ने 14 नाम जारी किए थे

एजेंसी

श्रीनगर , जम्मू-कश्मीर में कुलगाम के अखल जंगल में सुरक्षाबलों ने शनिवार को अब तक दो आतंकवादियों को मार गिराया है। दोनों के शव भी बरामद हुए हैं। एक आतंकी की पहचान पुलवामा के हारिस नजीर डार के रूप में हुई है। हालांकि, दूसरे का नाम सामने नहीं आया है। हारिस आज सुबह मारा गया था, जबकि दूसरा आतंकी दोपहर में मारा गया। कुलगाम में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच कल रात से मुठभेड़ शुरू हुई थी। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप, जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना और 'ऑपरेशन अखल' को अंजाम दे रहे हैं। जंगल में अभी और आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। दोनों ओर से फायरिंग जारी है।कुलगाम में सर्च ऑपरेशन के दौरान आतंकियों ने फायरिंग कीएक अधिकारी ने बताया कि इलाके में आतंकी गतिविधि की गुप्त सूचना मिलने के बाद शुक्रवार शाम में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया था। इस दौरान आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। जंगल में कुल कितने आतंकी छिपे हैं, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए इलाके में और सिक्योरिटी फोर्सेज को भेजा गया है। जम्मू-कश्मीर में इस

हारिस सी-कैटेगरी का आतंकी था। वह उन 14 लोकल आतंकियों की लिस्ट में था, जिनके नाम खुफिया एजेंसियों ने पहलगाम हमले के बाद 26 अप्रैल को जारी किए थे। उसके पास से अङ-47 राइफल, मैगजीन और ग्रेनेड और गोला-बारूद बरामद हुआ है।

हफ्ते की यह तीसरी मुठभेड़ है। इससे पहले, 28 जुलाई को सुरक्षाबलों ने ऑपरेशन महादेव के तहत, लिडवास के जंगलों में पहलगाम हमले में शामिल 3 आतंकियों को मारा था। 31 जुलाई को पुंछ में छङ्गउ के पास दो और आतंकी घुसपैठ के दौरान मारे गए थे।14 लोकल आतंकियों में 7 मारे गए, अब 7 की तलाश सुरक्षाबलों ने जिन 14 आतंकियों की लिस्ट जारी की थी, उनमें से अब तक 7 मारे जा चुके हैं। हारिस नजीर को छोड़कर, बाकी के 6 आतंकी मई में शोपियां और पुलवामा में एनकाउंटर के दौरान मारे गए थेशोपियां में 13 मई को ढेर किए गए आतंकियों के नाम शाहिद कुट्टे, अदनान शाफी, अहसान उल हक शेख थे। 15 मई को पुलवामा एनकाउंटर में आमिर नजीर वानी, यावर अहमद भट और आसिफ अहमद शेख मारा गया था।28 जुलाई को पहलगाम हमले के मास्टरमाइंड समेत 3 आतंकियों को मारा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ऑपरेशन महादेव के अगले दिन, 29 जुलाई को पहलगाम हमले के आतंकियों के मारे जाने की जानकारी दी।

संविधान के इस लक्ष्य को साकार करना हमारे लिए महत्वपूर्ण

पूर्व-सीजेआई चंद्रचूड़ ने की यूसीसी की वकालत

चंद्रचूड़ ने कहा कि यूसीसी को देश और समाज के सभी वर्गों को विश्वास में लेने के बाद ही लाया जाना चाहिए और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि समान नागरिक संहिता उनके हित में हो। मैंने वही कहा जो मुझे कहना था, यानी संविधान समान नागरिक संहिता की वांछनीयता को व्यक्त करता है।

एजेंसी

भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने शनिवार को समान नागरिक संहिता (यूसीसी) की वकालत की और कहा कि संविधान यूसीसी की वांछनीयता को व्यक्त करता है। भारत के 50वें मुख्य न्यायाधीश रहे 65 वर्षीय चंद्रचूड़ ने मुंबई में पत्रकारों से बात करते हुए यह टिप्पणी की। हालांकि, चंद्रचूड़ ने कहा कि यूसीसी को देश और समाज के सभी वर्गों को विश्वास में लेने के बाद ही लाया जाना चाहिए और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि समान नागरिक संहिता उनके हित में हो। मैंने वही कहा जो मुझे कहना था, यानी संविधान समान नागरिक संहिता की वांछनीयता को व्यक्त करता है। मैंने कहा कि संविधान के जन्म और स्थापना के कम से कम 75 साल बाद, हमारे लिए संविधान की इस महत्वाकांक्षा और लक्ष्य को साकार करना जरूरी है। लेकिन साथ ही, हमें अपने समाज और समुदाय के सभी वर्गों को विश्वास में लेना होगा कि यह वास्तव में भविष्य के न्यायपूर्ण भारतीय समाज के हित में है, जिसे हमें राष्ट्र में बनाने की आवश्यकता है।

समान नागरिक संहिता क्या है?

समान नागरिक संहिता देश के सभी नागरिकों के लिए, चाहे उनका धर्म, जाति, पंथ और लिंग कुछ भी हो, एक समान कानून का प्रस्ताव करती है और इसमें विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, उत्तराधिकार और गोद लेने जैसे मामले शामिल होने चाहिए। इसका उल्लेख संविधान के भाग कश में किया गया है।

संविधान समान नागरिक संहिता के बारे में क्या कहता है?

संविधान का अनुच्छेद 44, जो राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों के अनुरूप है, समान नागरिक संहिता का उल्लेख करता है। इसमें कहा गया है कि राज्य भारत के संपूर्ण क्षेत्र में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा। वर्तमान में गोवा और उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू है।

अमरनाथ यात्रा एक हफ्ते पहले बंद

भारी बारिश से बालटाल और पहलगाम दोनों रास्ते खराब हुए, इस साल 4.1 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए

एजेंसी

श्रीनगर अमरनाथ यात्रा को कल से रोक दिया गया है। यात्रा 9 अगस्त तक चलनी थी, लेकिन भारी बारिश के कारण रास्ते खराब होने की वजह से इसे 3 अगस्त को ही रोक दिया गया। कश्मीर के डिविजनल कमिश्नर विजय कुमार बिधूड़ी ने बताया कि यात्रा मार्गों को बारिश के कारण काफी नुकसान पहुंचा है। बालटाल और पहलगाम दोनों रास्तों पर मरम्मत का काम होगा, इसलिए यात्रा को रोकना पड़ा है। उन्होंने कहा कि रास्तों पर मशीनों और कर्मियों की लगातार तैनाती के चलते यात्रा फिर से शुरू करना संभव नहीं है। अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी और 9 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन समाप्त होनी थी। इस साल अब तक 4.10 लाख श्रद्धालु अमरनाथ गुफा में दर्शन कर चुके हैं, जबकि पिछले साल 5.10 लाख से

ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे थे। यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी। इस दौरान सुबह बाबा अमरनाथ की पहली आरती की गई थी। इस बार यात्रा केवल 1 महीना ही चल पाई। यात्रा के दौरान लगभग 50,000 उफढ़ऋ जवान तैनात किए गए थे।5 जुलाई को यात्रियों को लेकर जा रहे काफिले की चार बसों में टक्कर हो गई थी। रामबन जिले में चंदरकोट लंगर के पास हुए हादसे में करीब 36 यात्री घायल हो गए। हादसा तब हुआ, जब ब्रेक फेल होने के कारण एक बस का ड्राइवर नियंत्रण खो बैठा। इससे काफिले में शामिल तीन और बसें आपस में टकरा गईं।

उत्तराखंड के चमोली में हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट साइट पर पहाड़ दरका

हिमाचल प्रदेश के मनाली में लगातार बारिश से कई जगह लैंडस्लाइड हुई। चंडीगढ़-मनाली-लेह नेशनल हाईवे और सोलंगनाला से अटल टनल की ओर जाने वाला रास्ता बंद है। पिछले 3 दिन की भारी बारिश से कुल 289 सड़कें प्रभावित हुई हैं।

जम्मू-कश्मीर में चट्टान गिरने से अफसर-बेटे की मौत; प्रयागराज में 1000 घर बाढ़ में डूबे

एजेंसी

नई दिल्ली ,पहाड़ों पर मानसून की बारिश आफत लेकर आई है। उत्तराखंड के चमोली में विष्णुगढ़-पीपलकोटी हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की डैम साइट पर पहाड़ का बड़ा हिस्सा टूटकर गिर गया। हादसे के समय साइट पर काम चल रहा था। घटना में कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। हिमाचल प्रदेश के मनाली में लगातार बारिश से कई जगह लैंडस्लाइड हुई। चंडीगढ़-मनाली-लेह नेशनल हाईवे और सोलंगनाला से अटल टनल की ओर जाने वाला रास्ता बंद है। पिछले 3 दिन की भारी बारिश से कुल 289 सड़कें प्रभावित हुई हैं। जम्मू-कश्मीर में कल

रात रियासी जिले में एक सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट की कार लैंडस्लाइड की चपेट में आ गई। उनकी कार पर अचानक चट्टान गिर गई। हादसे में रऊट और उनके बेटे की मौत हो गई। उनकी पत्नी समेत 6 लोग घायल हो गए। भारी बारिश के कारण अमरनाथ यात्रा को 3 अगस्त से बंद करने का फैसला लिया गया है। पहले यह 9 अगस्त को खत्म होनी थी। यात्रा के दोनों मार्गों पहलगाम और बालटाल पर मरम्मत का काम जारी है। बीते दिन सुबह बालटाल रूट से यात्रा शुरू की गई थी, लेकिन बाद में बारिश के चलते यात्रा रोक दी गई थी। मौसम विभाग ने शनिवार को असम, मेघालय, सिक्किम, पश्चिम बंगाल में बारिश का रेड अलर्ट और बिहार, अरुणाचल प्रदेश में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इनके अलावा मध्य प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली समेत 19 राज्यों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।बिहार के लखीसराय में बारिश से सड़क बह गईबिहार के लखीसराय में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से उरेन चम्पा नगर, बसुआचक, मंझवे सहित दर्जनों गांव को कजरा बाजार और जिला मुख्यालय से जोड़ने वाली मुख्य सड़क बह गई है। इससे इन गांवों का संपर्क पूरी तरह टूट गया है। उत्तराखंड के चमोली में हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट साइट पर पहाड़ टूटकर गिरा, 12 मजदूर घायलउत्तराखंड के चमोली में विष्णुगढ़-पीपलकोटी हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की डैम साइट पर पहाड़ टूटकर गिर गया है।